दैनिक
लोकप्रदेश
RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-156 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, बुधवार 1 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भैंसवा माता, राजगढ़ में जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन कार्यक्रम में हुए शामिल

जल से ही प्रकृति का उद्भव और जीवन का विकास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल से ही प्रकृति का उद्भव और जीवन का विकास है। सबसे पहले पृथ्वी पर जलचर आए। जल से ही जीवन है। जल तत्व में सभी तत्व समाहित हैं। हम जब जल संरचनाओं को देखते हैं तो हमारा मन आनंद से भर जाता है। जल से स्नान के बाद हमें ताज़गी मिलती है। हमारे पूर्वजों ने जल के महत्व को समझा और निरंतर जल संरचनाओं का निर्माण किया। आज हमारा दायित्व है कि हम उन सब का संरक्षण करें एवं उन्हें सहेजें।

जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को 21 करोड़ 38 लाख रुपये से अधिक की राशि के हितलाभ वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत मंच से हितग्राहियों को 21 करोड़ 38 लाख रुपये से अधिक की राशि के लाभ और वित्तीय सहायता के चेक भी वितरित किए। इसके तहत मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से 405 समूहों को कुल 20 करोड़ रुपये का बैंक ऋण वितरित किया गया, जिसमें श्रीमती कृष्णा भिलाला, श्रीमती रानी भिलाला और श्रीमती माया वर्मा प्रमुख रूप से लाभान्वित हुईं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संरक्षण के लिए किए भगीरथी प्रयास : राज्यमंत्री डॉ.टेटवाल

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाएं को बढ़ाने के लिए भागीरथी प्रयास किए हैं। जल संरक्षण के इस अभियान में पंचायतों को जोड़कर जनभागीदारी से कुएं, बावड़ी, तालाब, नदियों की सफाई और प्राचीन जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया गया है।

मानसून की बेरुखी से तड़पा मप्र 41 जिले अब भी बारिश को तरसे

नई दिल्ली (एजेंसी)

दक्षिण-पश्चिम मानसून की चाल फिलहाल थमी हुई है, लेकिन इंतजार अब ज्यादा लंबा नहीं है। अगले कुछ दो दिनों में मध्य प्रदेश के कई नए इलाकों के साथ उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। यदि मौसमी परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो सप्ताह के आखिर तक दिल्ली में भी मानसून की बहुप्रतीक्षित दस्तक हो सकती है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आधिकारिक पूर्वानुमान के अनुसार गति पकड़ने को तैयार है। जहां तक मध्यप्रदेश का सवाल है, 41 जिलों में मानसून अभी रूठा हुआ है। मालवा और भोपाल और कुछ जिलों को छोड़ दें तो समूचे ग्वालियर-चंबल संभाग, बुंदेलखंड, विंध्य, महाकौशल, सतपुणा के अधिकतर क्षेत्रों में जून महीने में अब तक नाम मात्र के लिए पानी बरसा है।

कुछ जिलों को छोड़ दें तो पूरे प्रदेश में जून महीने में कमोबेश सूखे जैसी स्थिति बनी हुई है। प्रदेश में अभी तक सामान्य से 39 फीसदी कम बारिश हुई है। खासतौर पर पूर्वी मध्यप्रदेश में एक भी जिला ऐसा नहीं है, जहां सामान्य बारिश हुई है। यहां के अधिकांश जिलों में भयावह सूखे की स्थिति बनी हुई है। पांढुर्णा को छोड़कर शेष सभी जिलों में 50 से 86 फीसदी तक कम बारिश हुई है। कुल मिलाकर इस इलाके में सामान्य से 68 फीसदी कम बारिश हुई है। वहीं पश्चिमी मध्यप्रदेश में सामान्य से 11 फीसदी कम बारिश हुई है। कुछ जिलों में ही समुचित बारिश हुई है।

- खरीफ की खेती के लिए संकट, अब जुलाई की बारिश पर टिकी किसानों की निगाहें
- बुंदेलखंड, महाकौशल, विंध्य और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में सूखे जैसे हालात

इस माह सूखे जैसी स्थिति

कुल मिलाकर पूर्वी मध्यप्रदेश में जून महीने में सूखे जैसी स्थिति है। पाढुर्णा में सामान्य से आठ फीसदी कम बारिश हुई है। अन्यथा शेष जिलों में भयावह अवर्षा के हालात बने हुए हैं। अनूपपुर में सामान्य से 72 फीसदी कम, बालाघाट में 78, छतरपुर में 68, छिंदवाड़ा में 46, दमोह में 77, डिंडोरी में 69, जबलपुर में 78, कटनी में 79, मंडला में 72, मऊगंज में 71 नरसिंगपुर में 83, निवाड़ी में 69, पन्न में 74, रीवा में 76, सागर में 58, सतना में 54, शहडोल में 71 सिंगरौली में 73, टीकमगढ़ में 86 और उमरिया में सामान्य से 68 फीसदी कम बारिश हुई है।

यहां पर मामूली राहत

पूर्वी मध्यप्रदेश की तुलना में पश्चिमी मध्यप्रदेश में जून माह में कुछ अच्छी बारिश हुई है। उदाहरण के लिए आगर मालवा में सामान्य से 51 फीसदी अधिक, भोपाल में सामान्य से 44 फीसदी अधिक , देवास में 51,इंदौर में 42 और नीमच में सामान्य से 51 फीसदी अधिक बारिश हुई है। अन्यथा कई जिलों में भयावह सूखा है। उदाहरण के लिए अलीराजपुर में तो जून माह में अभी तक दो मिलीमीटर बारिश नहीं हुई है। यहां सामान्य से 98 फीसदी कम बारिश हुई है।

आगे क्या कहता है मौसम विभाग

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों में बारिश की गतिविधियां और तेज होंगी। इसके साथ ही मानसून प्रदेश के बाकी जिलों में भी आगे बढ़ सकता है, जिससे बारिश की कमी धीरे-धीरे पूरी होने की उम्मीद है। इससे पहले रविवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहा। मंदसौर और रतलाम में तेज बारिश हुई। इसके अलावा गुना, श्योपुर, बड़वानी, शाजापुर, सीहोर, उज्जैन और छतरपुर समेत कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई।

कई जिलों में बारिश की भारी कमी से बढ़ी चिंता

बैतूल जिले में सामान्य से 42, अशोकनगर में 10, बड़वानी में 25, भिंड में 72, दतिया में 64,धार में 41, ग्वालियर में 35, हरदा में 34, झाबुआ में 63, खंडवा में 22, खरगौन में 19, मोरेना में 20, नर्मदापुरम में 30, रायसेन में 18, रतलाम में सामान्य से 32 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई है।

मंत्री प्रतिमा बागरी को नोटिस

6 जुलाई को छानबीन समिति के समक्ष जाति प्रमाण-पत्र के

भोपाल। प्रदेश की नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण-पत्र विवाद में राज्य स्तरीय छानबीन समिति ने उन्हें नोटिस जारी किया है। समिति ने मंत्री बागरी को 6 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। मंत्री बागरी से कहा गया है कि छानबीन समिति के समक्ष उपस्थित होने के दौरान वे वर्ष 1950 की स्थिति के अनुसार सतना (मध्य प्रदेश) के निवासी होने तथा स्वयं को बागरी अनुसूचित जाति का सदस्य होने संबंधी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। इसके लिए सभी आवश्यक दस्तावेज छानबीन समिति के समक्ष पेश करने होंगे। जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त कार्यालय ने यह नोटिस मंगलवार को जारी किया है। यह नोटिस बागरी के जाति प्रमाण-पत्र को लेकर की गई शिकायत पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा छानबीन समिति को 60 दिन के भीतर प्रमाण-पत्र की वैधता पर निर्णय लेने के निर्देश दिए जाने के मद्देनजर जारी किया गया है। इस नोटिस के बाद राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी का जाति प्रमाण-पत्र विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

याचिका में आरक्षण का गलत लाभ लेकर चुनाव जीतने का आरोप

कांग्रेस नेता प्रदीप अहिरवार ने याचिका दायर की थी। जिसमें आरोप लगाया गया कि प्रतिमा बागरी ने गलत तरीके से अनुसूचित जाति (स्ट) का प्रमाण-पत्र बनवाकर आरक्षण का लाभ लिया और उसी आधार पर सतना जिले की रैगांव विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर मंत्री पद हासिल किया। याचिकाकर्ता का दावा है कि बागरी जाति संबंधित क्षेत्र में अनुसूचित जाति की सूची में शामिल नहीं है और मंत्री वास्तव में राजपूत/ठाकुर समुदाय से संबंध रखती हैं। याचिका में 1961 और 1971 की जातिगत जनगणना, 2003 की राज्य स्तरीय जाति छानबीन समिति के फैसले और 2007 के केंद्र सरकार के राजपत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि 'बागरी' को स्ट श्रेणी में शामिल नहीं किया गया है। यह मामला कांग्रेस नेता और एससी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार की ओर से दायर याचिका के बाद सामने आया।

1950 के रिकॉर्ड पर रहेगा फोकस

जानकारी के अनुसार, जांच के दौरान वर्ष 1950 के रिकॉर्ड को महत्वपूर्ण आधार माना जाएगा। समिति यह जांच करेगी कि संबंधित परिवार उस समय सतना जिले का मूल निवासी था या नहीं। इसके लिए मंत्री को राजस्व अभिलेखों सहित अन्य प्रमाणिक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ही समिति आगे का निर्णय लेगी। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि 6 जुलाई को होने वाली राज्य स्तरीय अनुसूचित जाति छानबीन समिति की बैठक में प्रतिमा बागरी को स्वयं उपस्थित होना होगा। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य स्तरीय अनुसूचित जाति छानबीन समिति को निर्देश दिए थे कि वह संबंधित पक्ष को सुनवाई का अवसर देकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जांच पूरी करे और यह तय करे कि जारी किया गया अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र वैध है या नहीं।

एससी कांग्रेस के अध्यक्ष ने दायर की है याचिका

इससे पहले हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता एवं एससी कांग्रेस के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार की याचिका पर यह आदेश दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि छानबीन समिति संबंधित पक्ष को बुलाकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच करेगी और यह तय करेगी कि प्रतिमा बागरी के पक्ष में जारी अनुसूचित जाति (एससी) का प्रमाण-पत्र वैध है या नहीं। जांच पूरी होने के बाद समिति उचित आदेश पारित करेगी। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि यदि 30 जून 2026 तक समिति कोई निर्णय नहीं लेती है, तो याचिकाकर्ता को इस याचिका को पुनर्जीवित (रिवाइव) कराने की स्वतंत्रता होगी।

जेलेंस्की ने की निंदा

रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों से दहला यूक्रेन, 12 की मौत

कीव, एजेंसी

यूक्रेन में सोमवार को रूसी मिसाइलों और ड्रोन ने भारी तबाही मचाई। इन हमलों में 12 लोगों की जान चली गई और 40 लोग घायल हुए। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इन हमलों को भयानक बताया है और इसकी निंदा की है। रूस ने चार साल पहले यूक्रेन पर हमला शुरू किया था। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, इस युद्ध में अब तक 16,000 से ज्यादा यूक्रेनी नागरिक मारे जा चुके हैं। रूस लगातार यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने और लोगों का मनोबल तोड़ने की कोशिश कर रहा है। रूस के इन हमलों के कारण यूक्रेन के आठ इलाकों में बिजली की सप्लाई ठप हो गई है। भीषण गर्मी की वजह से लोग एयर कंडीशनर का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे बिजली की मांग बहुत बढ़ गई है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूरोप से एक बार फिर अपील की है। उन्होंने कहा कि रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए यूरोप को अपना सुरक्षा तंत्र और मिसाइल सिस्टम मजबूत करना चाहिए।

अलग-अलग शहरों में नुकसान

नीप्रो शहर में रूस की मिसाइल ने बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। इस हमले में छह लोगों की मौत हुई और 29 लोग घायल हो गए। जापोरिज्जिया शहर में रूस के ड्रोन एक यात्री बस से टकरा गए। इस घटना में एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हुई और छह लोग घायल हुए।

मानसून मप्र-गुजरात में अटका

यूपी में रिक्शा पर पेड़ गिरा, पांच की मौत बिहार-छग में 8 लोगों पर बिजली गिरी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना, एजेंसी

देश के 4 राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। हालांकि, छह राज्यों में तेज गर्मी हो रही है। हरियाणा और दिल्ली में पारा 43 डीग्री से ज्यादा दर्ज किया गया। यूपी में मानसून की एंट्री के लिए सिस्टम एक्टिव हो गया है। सोमवार को लखनऊ समेत 15 जिलों में तेज बारिश हुई। मिर्जापुर में बारिश के बाद अंडरपास में करीब 3 फीट पानी भर गया। फिरोजाबाद के गांव में ई-रिक्शा पर नीम का पेड़ गिर गया, हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 2 लोग घायल हैं। बस्ती और महराजगंज में बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई।

असम में बाढ़, 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित

अरुणाचल प्रदेश और असम के कई हिस्सों में लगातार बारिश की वजह से बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति बनी हुई है। अरुणाचल में बारिश से लेकू नदी उफान पर आ गई, जिससे असम के जोनाई इलाके में भीषण बाढ़ आ गई। नेशनल हाईवे-515 भी डूब गया।

बिहार के 15 जिलों में सोमवार को आंधी के साथ बारिश हुई। सीतामढ़ी, मुंगेर और पटना में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। 24 लोग झुलस गए। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में सोमवार शाम बिजली गिरने से 2 बच्चों और एक युवक की मौत हो गई। मध्य प्रदेश में सोमवार को 12 जिलों में बारिश हुई।

सरकार बोली

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाना एक एक्सपेरिमेंट

असर अगले साल पता चलेगा; सुप्रीम कोर्ट का मौजूदा सप्लाई पॉलिसी जारी रखने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड से एथेनॉल खरीद बढ़ाने पर विचार करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश BPCL की याचिका पर दिया। कोर्ट ने कहा कि सरकार की मौजूदा पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं होगा। BPCL ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण की राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर सकता है।

क्या है एथेनॉल सप्लाई का विवाद

एथेनॉल सप्लाई का यह विवाद कर्नाटक की विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड की याचिका से जुड़ा है। विन्प ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका लगाते हुए दलील दी थी कि उसका एथेनॉल बनाने का प्लांट है। इसकी सलाना उत्पादन क्षमता करीब 9.90 करोड़ लीटर है, लेकिन उसे केवल 3.92 करोड़ लीटर का आवंटन किया गया है। सरकार ने कहा था कि किसी कंपनी को पहले ज्यादा आवंटन मिला तो इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि कंपनी को हर बार उतनी ही मात्रा में आवंटन मिलेगा। हाईकोर्ट ने BPCL को खरीद कोटा बढ़ाने पर विचार करने को कहा। इस आदेश के खिलाफ BPCL ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | सीबीएसई ने त्रिभाषा नीति के विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए

कक्षा 10 के मौजूदा छात्रों को तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा से छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप त्रिभाषा नीति के विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 10 में पढ़ रहे मौजूदा छात्रों के लिए कोई बदलाव नहीं होगा, वे पूर्ववत केवल दो भाषाओं के साथ अपनी पढ़ाई और बोर्ड परीक्षा पूरी करेंगे। नई व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों पर अतिरिक्त बोझ डालना नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं के प्रति रुचि और बहुभाषी दक्षता को बढ़ावा देना है।

नई व्यवस्था के अनुसार छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें से कम से कम दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य होंगी। तीसरी भाषा भारतीय अथवा विदेशी-दोनों में से कोई भी हो सकती है, परंतु शर्त यह है कि शेष दो भाषाएं भारतीय हों। बोर्ड ने यह भी सुनिश्चित किया है कि किसी भी छात्र को इस बदलाव के कारण शैक्षणिक नुकसान न उठाना पड़े।

कक्षावार लागू होने की समयसीमा

वर्तमान कक्षा 9 के विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य हैं। जो छात्र पहले से एक भारतीय और एक विदेशी भाषा पढ़ रहे हैं, उन्हें तीसरी भाषा के रूप में कोई भारतीय भाषा चुननी होगी। अंग्रेजी और फ्रेंच जैसी दो विदेशी भाषाएं पढ़ रहे छात्रों को विशेष एकमुश्त राहत दी गई है, वे अपनी दोनों विदेशी भाषाएं जारी रख सकेंगे, लेकिन एक अतिरिक्त भारतीय भाषा भी पढ़नी होगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बैच के लिए तीसरी भाषा की कोई सीबीएसई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। जब यह बैच 2027-28 में कक्षा 10 में पहुंचेगा, तब भी तीसरी भाषा के लिए बोर्ड परीक्षा नहीं ली जाएगी। वर्तमान कक्षा 7 और 8 के विद्यार्थियों पर भी लगभग यही व्यवस्था लागू होगी। कक्षा 9 और 10 में पहुंचने पर उन्हें दो अनिवार्य भारतीय भाषाओं सहित तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, किंतु तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं होगी।

फैसले में विशेष श्रेणियों को छूट

दिव्यांग विद्यार्थियों को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक रियायतें मिलेंगी। विदेशों में संचालित सीबीएसई विद्यालयों को तीसरी भारतीय भाषा पढ़ाने की अनिवार्यता से पूरी तरह छूट दी गई है। विदेश से भारत लौटने वाले छात्रों को भी तीसरी भारतीय भाषा से मुक्त रखा गया है। यदि किसी छात्र के अभिभावक किसी अन्य राज्य में स्थानांतरित होते हैं, तो छात्र अपनी पूर्व-चुनी भाषा व्यवस्था जारी रख सकेगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

एसआईटी ने ट्रस्ट में सीईओ व्यवस्था लागू करने की सिफारिश की

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर होने के बाद एसआईटी ने अन्य मंदिरों की तरह यहां पर भी मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति करने की सिफारिश की है। जब ये व्यवस्था लागू होगी तो किसी सेवारत अधिकारी की नियुक्ति की जा सकती है। इसमें मंडलायुक्त, जिले के डीएम या कोई राजस्व अधिकारी हो.

संक्षिप्त समाचार

आईटीआई में प्रवेश के लिए पंजीयन आज तक

सतना। मध्यप्रदेश राज्य के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 25 मई से 30 जून तक ऑनलाइन पंजीयन एवं त्रुटि सुधार कर सकते हैं, जबकि संस्था एवं ट्रेड के लिए चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 1 जून से 30 जून 2026 तक जारी रहेगी। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य ने बताया कि सतना जिले के अंतर्गत सतना, उचेहरा, बिरसिंहपुर, बरौंधा, रामपुर बघेलान एवं नागौद में शासकीय आईटीआई संचालित हैं। नोडल प्राचार्य द्वारा जानकारी दी गई है कि इन संस्थानों में एससीव्हीटी एवं एनसीव्हीटी के तहत विभिन्न तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें प्रमुख ट्रेड जैसे इलेक्ट्रीशियन, फिटर, कोपा, वेल्डर, टर्नर, मशीनिस्ट, सोलर टेक्नीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, मोटर व्हीकल मैकेनिक, ट्रैक्टर एवं डीजल मैकेनिक, कम्प्यूटर हार्डवेयर, फैशन टेक्नोलॉजी, स्टेनो हिंदी एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल मैकेनिक शामिल हैं। अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट पर जाकर प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2026 लिंक के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

[मौसम] दिनभर तेज धूप व उमस से लोग हुए परेशान, एक घंटे में 14 .8 मिलीमीटर बारिश दर्ज

शाम को अचानक बदरा हुए मेहरबान, जमकर बरसे

नगर संवाददाता, सतना।

जिले में भले ही मानसून आने की घोषणा अभी विभाग ने नहीं की है लेकिन सोमवार की शाम को अचानक हुई बारिश ने कुछ आस जरूर बंधा दी है। प्रदेश के एक हिस्से में पिछले कई दिनों से मानसून मेहरबान बना हुआ है लेकिन जिले में अभी इसके आगमन को लेकर कोई खास हलचल नजर नहीं आ रही थी। सोमवार की शाम को हुई बारिश के बाद अगले कुछ दिनों तक जिले में बारिश होने का अनुमान जरूर मौसम विज्ञानी लगा रहे हैं।

मौसम महज चंद दिन ही हुए हो लेकिन दक्षिण -पूर्वी हवाओं के कम प्रेशर के बाद भी पिछले एक सप्ताह से शहर सहित जिले में बारिश होने का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग की माने तो अगले कुछ दनों तक बादल छाये रहेंगे एवं बारिश भी होगी। सोमवार को प्री मानसून के चलते जहां एक घंटे के अंदर ही महज 14.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

बारिश का पूर्वानुमान

मौसम वैज्ञानिक आरके श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में सोमवार की देर रात गरज चमक के साथ बारिश होने के आसार बन रहे हैं। अगले तीन दिनों तक बारिश का फोरकास्ट नजर आ रहा है। ऐसे में सतना,नागौद, रामपुर बाघेलान, उचेहरा, मझगवां, चित्रकूट, बिरसिंहपुर, कोठी के अलावा मैहर जिले के रामनगर, अमरपाटन व मैहर में भी बारिश होने का पूर्वानुमान है। उन्होंने बताया कि दक्षिण पश्चिमी हवाओं का जोर अब अधिक नजर आ रहा है जिस वजह से हवाओं के प्रेशर के बाद भी जिले में बादलों ने डेरा डाल रखा है जिस वजह से अगले तीन दिनों तक बारिश की संभावना प्रबल नजर आ रही है।

भारी उमस से लोग हुए बेहाल, घंटों बंद रही कई इलाकों में बिजली

सोमवार को जरा सी बारिश ने एक बार फिर विद्युत कंपनी के मेंटीनेंस दावों की पोल खोलकर रख दी। जरा सी बारिश के साथ ही बिजली गुल हुई जो कई घंटे बाद वापस आ सकी। इस दौरान उमस के बीच बुर्जुग और बच्चे अधिक परेशान हुए। मिली जानकारी के अनुसार टिकुरिया टोला क्षेत्र के गोपाल कालोनी के पास जंपर निकल जाने की वजह से इस इलाके में घंटो बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। इसी के साथ ही आदर्श नगर में पेड़ गिर जाने की वजह से विद्युत सप्लाई प्रभावित रही। इसी प्रकार से बदखर, सेंटर जेल, ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में 11 केवी लाइन में फाल्ट आ जाने से विद्युत सप्लाई प्रभावित रही। वहीं बगहा, पेतरी फीडर में भी 33 केवी लाइन में फाल्ट आने की वजह से कई बार सप्लाई प्रभावित रही। 11 केवी बस स्टैंड क्षेत्र में भी लाइन फाल्ट होने से इलाके में अंधेरा छाया रहा। वहीं सब्जी मंडी सब स्टेशन से सुभाष पार्क, आदर्श नगर व कंवरराम फीडर की लाइन कई बार प्रभावित हुई जिस वजह से बाजार क्षेत्र सहित टिकुरिया टोला, कृष्णा कालोनी, लखन चौराहा, स्टेशन रोड सहित अन्य इलाके प्रभावित होते रहे। गर्मी के बाद बारिश ने भी लोगों को उमस के बीच अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया है।

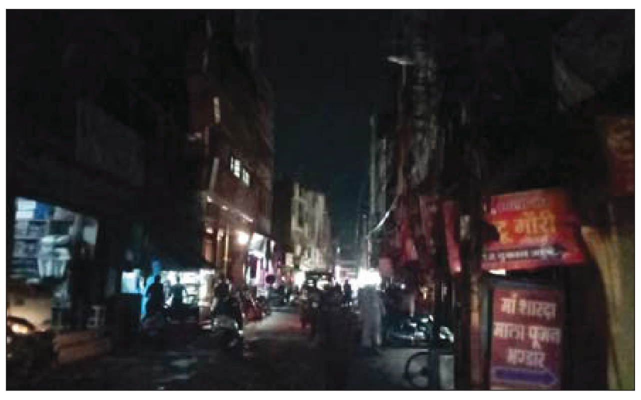

हितांश के जन्मदिवस पर दिया सेवा, संस्कार व पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश

नगर संवाददाता, सतना।

जन्मदिवस को केवल उत्सव तक सीमित न रखकर उसे समाजसेवा और जनकल्याण से जोड़ने की प्रेरणादायी पहल करते हुए भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री डॉ. स्वप्ना वर्मा एवं डॉ. अमित वर्मा ने अपने पुत्र हितांश वर्मा के जन्मदिवस पर विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया। पूरे दिन चले सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत जिला अस्पताल परिसर में भर्ती मरीजों के परिजनों को दोनों समय भरपेट भोजन कराया गया, चिकित्सकीय उपयोग के लिए आवश्यक उपकरण एवं बेड-पलंग उपलब्ध कराए गए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण तथा गौशाला में गौसेवा कर समाज को सेवा, संवेदना और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। जिला अस्पताल परिसर में आयोजित सेवा कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में मरीजों के परिजनों को ससम्मान पौष्टिक भोजन कराया गया। इसके अतिरिक्त अस्पताल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सकीय उपकरण एवं बेड-पलंग भी सेवा संकल्प के रूप में भेंट किए गए, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। तत्पश्चात शकुंतलम पार्क में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान जामुन, बिही (अमरूद), आम, नीम सहित अनेक फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। वहीं कार्यक्रम के अगले चरण में बगहा स्थित गौशाला पहुंचकर गायों को गौ-ग्रास खिलाया गया तथा उनकी सेवा की गई। इस अवसर पर गौसेवा को भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपरा बताते हुए पशु संरक्षण एवं संवेदनशीलता का संदेश भी दिया गया। इस दौरान डॉ स्वप्ना वर्मा, डॉ अमित वर्मा ,सुरेश बड़ेरिया, सतीश वर्मा, मधुकर पारेख, श्याम लाल गुप्ता श्यामू, रामावतार अग्रवाल, आर पी सिंह ,पी डी कूचियां, जगदीश कश्यप, अर्जुन जगा, खुशबू पांडेय ,आर पी सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई गई संत कबीर जयंती

नगर संवाददाता, सतना।

श्री सद्गुरु कबीर सेवा समिति, सतना के तत्वावधान में सद्गुरु कबीर जयंती समारोह का आयोजन टिकुरीया टोला स्थित गणेश मैरिज हॉल में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ टिकुररियाटोला स्थित कबीर मंदिर में निशान पूजन से हुआ। इसके उपरांत मुख्य अतिथियों एवं संतजनों ने सद्गुरु कबीर साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया तथा उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। समारोह को संबोधित करते हुए संतों एवं वक्ताओं ने कहा कि सद्गुरु कबीर साहेब का जीवन सत्य, प्रेम, समानता, सद्भाव और मानव सेवा का संदेश देता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से हरचरण दास गुरु, सुकृतदास गुरु, राजेन्द्र गुरु, ब्रजमोहन गुरु, जवन्त गुरु, सत्येन्द्र गुरु, कल्याण दास गुरु, दयाल दास गुरु, बबलू गुरु, सरमन गुरु, संतोष गुरु, राजेश गुरु, गोपाल गुरु, राजेन्द्र गुरु (कल्याण), योगेन्द्र गुरु, मनोज गुरु, शिवचरण गुरु, शुभकरण गुरु, सुरेन्द्र गुरु, विपिन गुरु, राधिका गुप्ता, श्रीनाथ गुप्ता, गणेश गुप्ता, संदीप गुरु, गायत्री गुरु, प्रकाश गुरु, लवकुश गुरु , पुष्पेंद्र गुरु, रामप्रताप गुप्ता एवं सत्यम गुरु सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र गुरु ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन दयाल गुरु ने व्यक्त किया।

महापौर ने किया 34.32 लाख की नाली निर्माण परियोजना का भूमिपूजन

नगर संवाददाता, सतना।

शहर के वार्ड क्रमांक 09 में 34.32 लाख की लागत से बनने वाली नाली निर्माण परियोजना का भूमिपूजन महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर के सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, एम.आई.सी. सदस्य एवं वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद आदित्य यादव, वार्ड क्रमांक 9 की पार्षद कपसा देवी तिवारी, मंडल अध्यक्ष दीपेंद्रनाथ त्रिपाठी, शारदा तिवारी, विष्णु तिवारी, बी.के. पाण्डेय, कृष्णा ताम्रकार, एस.एन. तिवारी, रमेश मिश्रा सहित गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

महापौर ने कहा कि वार्डवासियों की वर्षों पुरानी मांग को ध्यान में रखते हुए इस निर्माण कार्य को स्वीकृति दी गई है। नाली निर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की समस्या में कमी आएगी और नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगा। स्थानीय नागरिकों ने विकास कार्य के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर निगम का आभार जताया। नगर निगम के अनुसार, निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूरा कराया जाएगा।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णनगर में पूर्व छात्रा आईएएस रजनी सिंह का किया गया सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णनगर, सतना में विद्यालय की पूर्व छात्रा एवं वर्तमान में डीएम एवं कलेक्टर जिला नरसिंहपुर रजनी सिंह के आगमन पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां वीणापाणि की प्रतिमा के समक्ष अतिथिगणों द्वारा दीप प्रज्वलन कर हुआ। तत्पश्चात् विद्यालयीन बहिनों द्वारा सरस्वती वन्दना सामूहिक रूप से की गई। अतिथि परिचय एवं स्वागत माध्यमिक विभाग के प्रधानाचार्य गणेश गोविन्द मिश्र द्वारा कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय समिति पदाधिकारियों द्वारा रजनी सिंह का शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर आईएएस रजनी सिंह ने विद्यालय के भैया-बहनों को प्रेरणादायी उद्बोधन देते हुए जीवन में अनुशासन, परिश्रम एवं लक्ष्य निर्धारण का महत्व बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन, सकारात्मक सोच एवं संस्कारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उनके प्रेरक विचारों से विद्यार्थियों में उत्साह एवं नई ऊर्जा का संचार हुआ।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद दुबे द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत प्रेरणादायी एवं उत्साहवर्धक रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सतना जिला के महापौर योगेश ताम्रकार, जिला सचिव विकास पाण्डेय, विद्यालय के अध्यक्ष शैलेंद्र प्रताप सिंह, व्यवस्थापक प्रदीप ताम्रकार,सह व्यवस्थापिका अंजली रत्नेश पाण्डेय, विद्यालय समिति सदस्य दिलीप वसानी, विजय गुप्ता, पल्लवी सिंह एवं पंकज सिंह के साथ-साथ विद्यालय के भैया व बहिन उपस्थित रहे।

रोगी कल्याण समिति की बैठक 2 जुलाई को

सतना। रोगी कल्याण समिति जिला चिकित्सालय सतना के कार्यकारिणी समिति की बैठक 2 जुलाई को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सतना के सभाकक्ष में कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। सिविल सर्जन/सचिव, रोगी कल्याण समिति डॉ. अमर सिंह ने संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

'रात दस बजे' के मंचन ने बटोरी दर्शकों की तालियां

■ कलाकारों के अभिनय ने मोहा मन

नगर संवाददाता, सतना।

रंग प्रवर्तन सांस्कृतिक समिति रुगवा के द्वारा सतना शहर में स्टार डांस एकेडमी में नाटक ÷रात 10 बजे ÷ का मंचन सफ़लता पूर्वक संपन्न किया गया। इस नाटक का निर्देशन अनुराग श्रीवास्तव ने किया। नाटक के लेखक विष्णु प्रभाकर हैं। नाटक की कहानी मूलतः मनो वैज्ञानिक तथा सामाजिक यथार्थवादी नाट्यकृति की श्रेणी में रखा गया है। यह रचना मानव मन के द्वंद सामाजिक मूल्यों और पारिवारिक संबधो के तनाव के केंद्र में रखती है नाटक में एक ऐसे आदमी की कहानी है जो एक मानसिक बीमारी से ग्रसित है और रात्रि 10 बजे उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ जाती है और एक काल्पनिक कहानी में पहुंच जाता है।

नाटक की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। शहर के वरिष्ठ रंग कर्मी द्वारिका दहिया, हरिनारायण चौरसिया,रजनीश खुल्लर ने दीप प्रज्वलन किया। इस नाटक में 10 से ज्यादा कलाकारों ने अभिनय किया जिसमें प्रमुख रूप से अमितेश सेन ,शिवम चौधरी , सत्यम चौधरी, मानसी बर्मा ,हर्ष वर्धन सिंह प्रिंस साहू, पंकज पांडेय आदि शामिल रहे। इस नाटक का प्रबंधन प्रभाकर द्विवेदी ने किया व विशेष सहयोग ऋषि सिंह परिहार का रहा।

फार्मर रजिस्ट्री के कार्य पर फोकस करें राजस्व अधिकारी

■ टीएल बैठक में कलेक्टर के निर्देश

नगर संवाददाता, सतना।

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले में फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में अपेक्षित गति नहीं आने पर जिले के राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस सप्ताह राजस्व अधिकारी फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में फोकस करें। उन्होंने कहा कि एसडीएम और तहसीलदार प्रतिदिन पटवारियों द्वारा किये गये कार्य की प्रगति की समीक्षा करें। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने समय-सीमा प्रकरण, अवमानना प्रकरण, रोड सेफ्टी, पीएम राहत, ई-विकास प्रणाली से खाद वितरण खरीफ फसल बोनी सहित रेल्वे, राष्ट्रीय राजमार्ग, एयरपोर्ट, एनवीडीए, ब्रिज, पीडब्ल्यूडी विभाग की परियोजना कार्यो और समन्वय के मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर आयुक्त नगर शेर सिंह मीना, अपर कलेक्टर विकास सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, राहुल सिलाडिया, सुभाष मिश्रा, एलआर जांगडे सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि जिले की सभी तहसीलों में एक दिन में औसतन एक हजार फार्मर रजिस्ट्री भी नहीं हो पा रही। रघुराजनगर तहसील की प्रगति सबसे कम 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि एसडीएम सिटी और ग्रामीण संयुक्त रूप से रणनीति बनाकर फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में अपेक्षित प्रगति लाये।

प्रसूति सहायता योजना के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि अस्पतालवार और एएनएमवार शिकायतों का विश्लेषण करें। जिन संस्थाओं के प्रकरण अधिक संख्या में लंबित हो उन्हें नोटिस दे और जिन ए.एन.एम. की लापरवाही से प्रकरण लंबित हो उन्हें सेवा समाप्ति का नोटिस जारी करें। बैठक में जनकल्याण शिविर और अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि औषधि निरीक्षक मेडिकल दुकानों की सतत रूप से जांच कराये।

[प्रतियोगिता] आत्मविश्वास व प्रभावशाली अभिव्यक्ति की दिखी झलक

'मिस्ट्री बॉक्स चैलेंज' में विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मकता

नगर संवाददाता, सतना।

एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल सतना में कक्षा 5 एवं 6 के विद्यार्थियों के लिए मिस्ट्री बॉक्स चैलेंज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रथम चरण में प्रतिभागियों को एक मिस्ट्री बॉक्स में रखी अनेक वस्तुओं में से एक वस्तु चुनकर निर्धारित समय-सीमा के भीतर उस पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने थे। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में त्वरित सोच,रचनात्मकता, आत्मविश्वास, प्रभावी संप्रेषण कौशल एवं मंच संचालन क्षमता का विकास करना था।

निर्णायक ने किया निष्पक्ष मूल्यांकन

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन फाइनल राउंड के लिए किया गया। प्रतियोगिता के फाइनल राउंड निर्णायक के रूप में निधि अग्रवाल उपस्थित रहीं। उन्होंने बी.टेक. (इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग) की शिक्षा यू.पी. टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से प्राप्त की है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों को अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना तथा उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास, भाषा-शैली, विषय-वस्तु, समय-प्रबंधन एवं प्रस्तुतीकरण के आधार पर निष्पक्ष मूल्यांकन करते हुए श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया।

इस प्रकार रहे प्रतियोगिता के परिणाम

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हर्षाली गुप्ता (कक्षा 6बी), माहेक वलेजा (कक्षा 6सी) एवं आद्या जायसवाल (कक्षा 5ए)ने प्राप्त किए। वहीं द्वितीय स्थान पर आरव सिंह (कक्षा 6डी) व तृतीय स्थान हर्षिता शर्मा (कक्षा 6बी)ने प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य डॉ. हिमानी सिंह, उप-प्राचार्य संजीव सिंह सेंगर एवं समन्वयक प्रज्ञा शुक्ला ने सभी विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं तथा सभी प्रतिभागियों के उत्साह, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

रसोई गैस के नए कनेक्शन बंद होने से बढ़ा संकट

सतना। एक बार फिर से रसोई गैस की चकल्लस बढ़ रही है। रसोई गैस के नए कनेक्शन बंद होने से लोग अधिक परेशान हैं। ऐसा लग र हा है कि अमरीका और ईरान के बीच फिर से संघर्ष शुरू होने के कारण फिर से गैस का संकट बढ़ सकता है। कहा जा रहा है कि संकट बढ़ाने के लिए ही यह सब खेल विश्व स्तर पर खेला जा रहा है। विदित हो कि घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर महंगे होने का प्रभाव अब आम लोगों की रसोई तक पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल के चलते गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और घरों का रसोई खर्च बढ़ गया है। इसका सीधा असर खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों पर भी देखने को मिल रहा है, जिनमें लगभग 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी बताई जा रही है। लोगों के परिवार बढ़ रहे हैं पर उनके पास गैस कनेक्शन उतने ही हैं।

लीनेस क्लब कैबिनेट बैठक की तैयारियों को लेकर मंथन

नगर संवाददाता, सतना।

लीनेस क्लब मेन सतना की अध्यक्ष डॉ. प्रियंका मिश्रा के नेतृत्व में क्लब भवन में आगामी कैबिनेट बैठक की तैयारियों को लेकर एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में फाउंडर एवम चार्टर मेम्बर अंजू कटारे जी ने कैबिनेट आयोजन को सफल बनाने हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया तथा सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गई। सभी लीनेस सदस्यों से समर्पण एवं टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया, जिससे आगामी कैबिनेट बैठक का आयोजन भव्य एवं सफल बनाया जा सके। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा विभिन्न कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।इस अवसर पर क्लब की सभी सदस्याओं ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि लीनेस क्लब मेन सतना द्वारा आयोजित होने वाली कैबिनेट बैठक को पूर्ण सहयोग एवं समर्पण के साथ सफल बनाया जाएगा।

सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अपनी जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हुए आयोजन को यादगार बनाने का विश्वास व्यक्त किया। बैठक में उपस्थित रहीं सचिव पूजा गुप्ता,ली अंजू कटारे,उषा बड़ेरिया,मीरा अग्रवाल,ऋचा वोरा कोषाध्यक्ष निशा गुप्ता,चित्रा,पूजा चतुर्वेदी,नफीस आंटी,पुष्पा तिवारी,शशि अग्रवाल,अंजना अग्रवाल,अनामिका,छाया गुप्ता,संतोष मंजू जैन आदि उपस्थित रहीं बैठक का समापन स्वल्पाहार और कार्यक्रम की सफलता के संकल्प के साथ हुआ।

संक्षिप्त समाचार

नायब तहसीलदार जवा ने मृतक को भेजा नोटिस

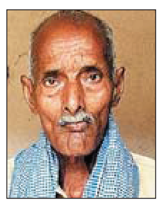

रीवा। रीवा जिले के ग्राम इटमा तहसील जवा निवासी सत्यनारायण सिंह उम्र 81 वर्ष का निधन विगत 2 वर्ष पूर्व 23 जुलाई 2024 को हो गया था। बताया गया कि मृतक सत्यनारायण सिंह व अन्य के विरुद्ध ग्राम इटमा के ही निवासी शिवेंद्र सिंह ने एक राजस्व प्रकरण सन 2024 में दायर किया था जिसका निराकरण भी 20 मई 2024 को हो चुका था इसके बाद उसी प्रकरण से संबंधित एक अपील प्रकरण का निराकरण एसडीएम जवा के यहां से 27 मई 2026 को होना नोटिस में लेख किया गया है। उस समय भी सत्यनारायण सिंह जीवित नहीं थे उनका मृत्यु प्रमाण पत्र भी 1 अगस्त 2024 को जारी हो चुका था। ऐसी स्थिति में नायब तहसीलदार राजेश शुक्ला सर्किल अतरैला तहसील जवा ने अपने पत्र दिनांक 18 जून 2026 के माध्यम से किस आधार पर मृतक के नाम नोटिस जारी की है। इसकी स्पष्ट रूप से जांच होनी चाहिए साथ ही दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिए।

नाटक 'मिडिया' के एकल मंचन ने दर्शकों को झकझोरा

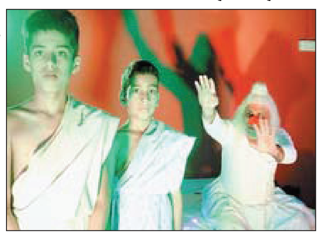

रीवा। स्थानीय चंद्रिका वाचनालय में विगत 23 और 24 फरवरी को रंग अनुभव सांस्कृतिक शिक्षा समिति द्वारा यूनानी नाटककार यूरीपिडीज़ के प्रसिद्ध दुखांत नाटक मिडिया का सफल मंचन किया गया। रात्रि 9 बजे से आयोजित इस एकालाप प्रस्तुति ने मौजूद दर्शक को अंत तक बांधे रखा। यह नाटक, मानव मनोविज्ञान और धोखे से उपजे प्रतिशोध की एक बेहद शक्तिशाली कहानी है। नाटक में मुख्य पात्र मनोज कुमार मिश्रा सहयोग मुकुल मिश्रा और नीतीश मिश्रा रहे। वेशभूषा-प्रीति गौतम, मंच परिकल्पना-राजमणि तिवारी, प्रकाश परिकल्पना- विनोद कुमार, पोस्टर ब्रोशर- सुमन और अंशिका, रूपसज्जा-विपुल सिंह,अन्य सहयोग सुधीर सिंह का रहा।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में राजस्व शिविर लगाने संभागायुक्त को सौंपा ज्ञापन

रीवा। अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस संघर्ष परिषद, सरपंच महा परिषद एवं युवांचल के अध्यक्ष राजकुमार सिंह तिवारी सहित उनकी टीम ने संभागायुक्त शीलेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए मांग किया कि राजस्व मामलों के निपटारा हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष राजस्व शिविर लगाए जाएं ताकि मौके पर ही भूमि संबंधी विवादों का निपटारा हो सके। उक्त अवसर पर ब्रजेश सिंह तिवारी उमेश कुमार पांडे प्रमोद कुमार त्रिपाठी रामरतन सिंह तिवारी सूर्यकांत त्रिपाठी विजय पांडे रश्मि द्विवेदी अंगिरा दुबे रजनीश सोंधिया आदि अधिवक्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने त्योंथर में किया धरना-प्रदर्शन

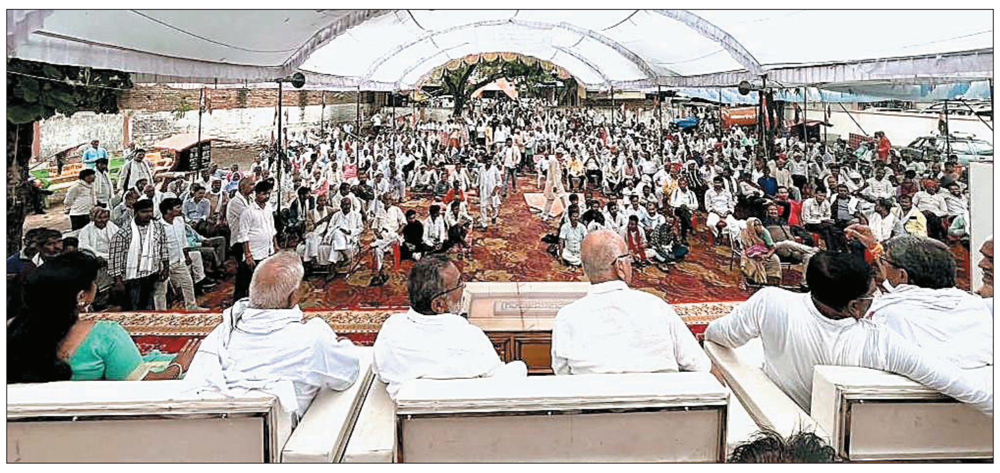

रीवा, नगर संवाददाता।

तहसील कार्यालय त्योंथर परिसर में कांग्रेस कमेटी त्योंथर के तत्वावधान में प्रातः 11 बजे से सायं 6 बजे तक क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) रीवा के अध्यक्ष इंजीनियर राजेंद्र शर्मा रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी रामलखन सिंह पटेल ने की। मुख्य अतिथि इंजीनियर राजेंद्र शर्मा ने अपने उद्बोधन में क्षेत्र की सभी जनसमस्याओं का समर्थन करते हुए कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में पूर्व विधायक रामलखन सिंह पटेल ने लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिए सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक डॉ. आई.एम.पी. वर्मा ने त्योंथर की धरती को संघर्ष की धरती बताते हुए जनहित के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष करने की बात कही। पूर्व विधायक रामगरीब बनवासी ने कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने पर बल दिया। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी त्योंथर रमाशंकर सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए विधानसभा क्षेत्र के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से जुट जाने का आह्वान किया।

राज्यपाल के नाम 12 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा

धरना-प्रदर्शन के उपरांत महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित 12 सूत्रीय मांगपत्र अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) त्योंथर की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह द्विवेदी को सौंपा गया। सभा को गुरमीत सिंह मंगू, महामंत्री प्रदेश कांग्रेस, बबीता साकेत, संगठन महासचिव रवि तिवारी, जिला कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश सिंह, अरुण गौतम, बिंद्रा प्रसाद तिवारी (उपाध्यक्ष, जिला कांग्रेस), रामायण प्रसाद सिंह (उपाध्यक्ष, जिला कांग्रेस), अरुण सिंह, लक्ष्मीशंकर मिश्रा (पूर्व जनपद उपाध्यक्ष), भूपेंद्र सिंह, टी.पी. सिंह, प्रभात वर्मा, बृजेंद्र सिंह (अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी त्योंथर), राजेंद्र प्रसाद पांडे (अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गढ़ी), विजयशंकर भूतिया (अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चाकघाट), युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह, नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार मांझी, रामप्रभाव विश्वकर्मा, के. तिवारी, राम रणबहादुर सिंह, असलम खान, शुभलाल आदिवासी, एडवोकेट दादा दुर्गा सिंह, मधुसूदन सिंह तथा जिला कांग्रेस महामंत्री भूपेन्द्र सिंह सहित अनेक नेताओं ने संबोधित किया।कार्यक्रम का संचालन विधानसभा प्रभारी त्योंथर राजू सिंह सेंगर ने किया। अंत में त्योंथर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रमाशंकर सिंह ने कार्यक्रम में पधारे समस्त कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

शहरी क्षेत्र की अपेक्षा विकासखण्डों में पल्स पोलियो अभियान की प्रगति बेहतर

रीवा। जिले में संचालित राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत अब तक सराहनीय प्रगति दर्ज की गई है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 3,90,037 लक्षित बच्चों के विरुद्ध 3,49,699 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा चुकी है, जो कि 89.66 प्रतिशत कवरेज को दर्शाता है। जिले के कई विकासखंडों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 90 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य प्राप्त किया है। इनमें गंगेव (96.79 प्रतिशत), जवा (94.99 प्रति.), मऊगंज (95.76 प्रति.), रायपुर करचुलियान (91.95 प्रति.), सिरमौर (92.79 प्रति.) तथा त्योंथर (91.43 प्रतिशत) प्रमुख हैं। वहीं हनुमना (90.25 प्रतिशत) भी 90 प्रतिशत के करीब पहुंच चुका है। हालांकि कुछ विकासखंडों में अपेक्षाकृत कम प्रगति दर्ज की गई है, जिनमें गोविंदगढ़ (79.35 प्रतिशत), नईगढ़ी (79.24 प्रतिशत) तथा रीवा शहरी क्षेत्र (83.84 प्रतिशत) शामिल हैं। इन क्षेत्रों में विशेष रणनीति बनाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने हेतु टीमों को सक्रिय किया गया है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने शेष बच्चों तक पहुंचने के लिए घर-घर संपर्क, बूथ सुदृढ़ीकरण तथा माइक्रो प्लानिंग पर विशेष जोर दिया है।

रीवा के आयुष ने वेब सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' में छोड़ी अपनी छाप

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्य प्रदेश के रहने वाले अभिनेता एवं कास्टिंग डायरेक्टर आयुष तिवारी इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज़ 'ग्राम चिकित्सालय-2' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज़ एमेजोन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है, जिसमें आयुष ने 'चनेसर' यानी बड़का स्वीपर का अहम किरदार निभाया है। दर्शकों द्वारा उनके सहज अभिनय और किरदार की सादगी को खूब पसंद किया जा रहा है।

आयुष तिवारी का सफर किसी फिल्मी परिवार से नहीं, बल्कि एक साधारण किसान परिवार से शुरू हुआ। खेती-किसानी करने वाले परिवार से आने वाले आयुष ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर अभिनय की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। आयुष ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती निराला नगर स्कूल, रीवा से पूरी की। इसके बाद उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के बावजूद उनका झुकाव हमेशा अभिनय और रंगमंच की ओर रहा। थिएटर के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने रीवा, भोपाल और मुंबई में लगातार रंगमंच किया। भोपाल में उन्हें देश के प्रतिष्ठित रंगकर्मी और पद्मश्री बंसी कौल के साथ काम करने का अवसर मिला, वहीं रीवा में उन्होंने वरिष्ठ रंगकर्मी मनोज मिश्रा के निर्देशन में थिएटर की बारीकियां सीखीं। इन अनुभवों ने उनके अभिनय को नई दिशा और गहराई प्रदान की।मनगवां जैसे छोटे कस्बे से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के ओटीटी प्लेटफॉर्म तक पहुंचने वाले आयुष तिवारी आज मध्य प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहे हैं।

जूनियर फेलोशिप अवार्ड से नवाजे गये अमर द्विवेदी

रीवा। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लोक रंगमंच के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध और कलात्मक योगदान के लिए सीधी जिले के ग्राम घुंघुटा (तहसील-रामपुर नैकिन) निवासी युवा रंगकर्मी और अभिनेता अमर द्विवेदी को इस वर्ष के प्रतिष्ठित जूनियर फेलोशिप अवार्ड से नवाजा गया है। विंध्य क्षेत्र के ग्रामीण अंचल से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर यह गौरवपूर्ण मुकाम हासिल करने से पूरे मध्य प्रदेश के कला जगत और उनके गृह जनपद में हर्ष का माहौल है। विगत सितम्बर 2025 में अमर के पिताश्री संतोष द्विवेदी का स्वर्गवास हो गया। अमर ने कहा कि यह अवार्ड मेरे दिवंगत पिता के त्याग, उनके संघर्षों और मेरी माता श्रीमती करुणा द्विवेदी के अनवरत सहयोग और आशीर्वाद का ही परिणाम है।

सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के लिए अब डीबीटी महत्वपूर्ण

■ 15 जुलाई से पहले डीबीटी सक्रिय कराना अनिवार्य

रीवा, नगर संवाददाता।

शासन के निर्देशानुसार अब इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन, मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कल्याणी पेंशन, परित्यक्ता पेंशन, दिव्यांग पेंशन, कन्या अभिभावक पेंशन सहित सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का भुगतान डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफ र के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में किया जाएगा। जिसके तहत प्रत्येक पेंशन हितग्राही के बैंक खाते में डीबीटी/एनपीसीआई मैपिंग सक्रिय होना अनिवार्य है। जिन हितग्राहियों के बैंक खातों में डीबीटी सक्रिय नहीं होगा, उन्हें पेंशन राशि प्राप्त करने में असुविधा अथवा विलंब का सामना करना पड़ सकता है। नगर निगम रीवा क्षेत्र के समस्त सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को सूचित किया गया कि 15 जुलाई 2026 से पूर्व अपने बैंक शाखा में जाकर अपने बैंक खाते को आधार से लिंक कराएं तथा डीबीटी/एनपीसीआई मैपिंग अवश्य करा लें। साथ ही बैंक खाते में मोबाइल नंबर भी लिंक कराएं, जिससे पेंशन की राशि जमा होने की सूचना एसएमएस के माध्यम से प्राप्त हो सके। निगम आयुक्त ने सभी शहरवासियों से अपील की है कि वे अपने-अपने वार्डों में निवासरत सभी पेंशन हितग्राहियों तक यह महत्वपूर्ण सूचना अवश्य पहुंचाएं और हितग्राहियों को डीबीटी की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दें। निगमायुक्त ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य है कि नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत कोई भी पात्र हितग्राही समय पर डीबीटी सक्रिय कराने से वंचित न रहे और सभी को बिना किसी बाधा के प्रतिमाह पेंशन की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त होती रहे।

भरत तिवारी प्रकरण में सपाक्स ने प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रीवा, नगर संवाददाता।

सपाक्स पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बिहार के जिला आरा अंतर्गत ग्राम बिलौटी निवासी शहीद भरत भूषण तिवारी के कथित फर्जी एनकाउंटर मामले समाज में गहरा दुख एवं रोष व्याप्त है जिसके सम्बन्ध में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं आमजन ने उक्त घटना कि निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करने जिससे इस तरह की घटना देश में कहीं घटित न होने पाए तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। 29 जून 2026 को दोपहर 12 बजे सपाक्स पार्टी का प्रतिनिधिमंडल रीवा कलेक्टर के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने दौरान सपाक्स पार्टी के मुख्य पदाधिकारी इंजी. देवेन्द्र सिंह राष्ट्रीय महासचिव, इंजी. संजय सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष, हिमांशु शुक्ला प्रदेश सचिव, डॉ. तोषण सिंह जिलाध्यक्ष रीवा,डॉ. पंकज श्रीवास्तव जिला संरक्षक, अभिषेक मिश्रा जिला उपाध्यक्ष, अर्पित मिश्रा जिला उपाध्यक्ष, लालता प्रसाद यादव सचिव कटरा मंडल, रविशंकर चतुर्वेदी कार्यालय प्रभारी सपाक्स पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

जलभराव समस्या की रोकथाम के लिए गैंग एक्टिव

रीवा, नगर संवाददाता।

नगर निगम रीवा द्वारा आगामी वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए शहर में जलभराव की समस्या की रोकथाम एवं स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शहर के प्रमुख नालों एवं नालियों की व्यापक सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम की टीम द्वारा 29 जून को शहर के विभिन्न वार्डों में निगम की नालागैंग टीम के द्वारा व्यापक सफाई कराई गई, जिसमें वार्ड क्रमांक 35 मच्छरदानी के पीछे स्थित बड़े नाले की व्यापक सफाई कराई गई और तल्ली से कचरा साफ कराया गया। साथ ही नगर निगम की नाला गैंग द्वारा वार्ड क्रमांक 39 में नारायण चक्की मेन रोड के दोनों तरफका के बड़े नाले की सफाई कर पड़ी बोरी, प्लास्टिक, कचरा एवं अन्य अवरोधों को हटाते हुए व्यापक सफाई कार्य किया गया। वार्ड क्रमांक 07 में अग्रवाल

नर्सिंग होम के सामने एवं विंध्याचल अस्पताल के सामने के बड़े नाले की साफ-सफाई कराई गई। वहीं वार्ड क्रमांक 40 में एस एफ चौराहे से लेकर सिंधी गुरुद्वारा के सामने तक के नाले की तल्ली से व्यापक सफाई कराई गई । साथ ही सफाई कार्य के दौरान नालों में जमा मिट्टी, गाद, प्लास्टिक, कचरा एवं अन्य अवरोधों को हटाकर जल प्रवाह को सुचारु बनाने का कार्य किया गया।

तीजे की फातेहा के साथ हुआ कार्यक्रम का समापन

रीवा, नगर संवाददाता।

मोहर्रम कमेटी बिछिया रीवा के सचिव मो. लईक खा ने प्रेस को जारी संयुक्ति विज्ञप्ति में बताया कि हर साल की तरह इस साल भी मोहर्रम की 12 तारीख को तीजे का प्रोग्राम अमनो अमान के साथ मनाया गया, हज़रत ईमाम-ए-हुसैन रजिअल्लाह तआला अन्हो और उनके 72 जानिसार के याद में बिछिया नदी के तट पर स्थित कर्बला शरीफ में सुबह बाद नमाज फजिर कुरआन खानी हुई इसके बाद जिक्रे हुसैन की हफिल का आगाज किया गया, जिसमे हाफिज आरिफ साहब, हाफिज व कारी ऐनुद्दीन अशरफी, मौलाना मुर्शिद आलम, के द्वारा हज़रत हुसैन इमाम-ए-आली मकाम व उनके 72 जानिसार साथियों की शहादत पर रौशनी डाली गई। कार्यक्रम के बाद 12 बजे दिन हज़रत ईमाम हुसैन रजिअल्लाहो तआला अन्हो के बारगाह में फातेहाख्वानी पढ़ी गई, फातेहाख्वानी में मुल्क में भाईचारा एवं अमनो अमान के लिये दुआ मांगी गई। फातेहा के बाद अलमदार, ढोल, अखाड़े, नगाड़े के लोगों ने अपने-अपने कर्तव्य दिखायें।

ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत

रीवा, नगर संवाददाता।

जिले की तहसील नईगढ़ी के ग्राम रिमारी में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। इस संबंध में स्थानीय निवासी दीपू भारती द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रिमारी के निवासियों ने आरोप लगाया है कि आराजी नंबर 45, जो कि मध्य प्रदेश शासन की भूमि है, उस पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त भूमि पर आम रास्ता, शासकीय पाठशाला और एक मंदिर भी स्थित है।

आरोप है कि हल्का पटवारी की मिलीभगत से रमाशंकर सिंह, राजकुमार सिंह, बृजवासी, फूलकली और गीता देवी ने इस शासकीय भूमि को अपने नाम पर दर्ज करवा लिया है। इस मामले को लेकर शिकायतकर्ता दीपू भारती द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि अवैध कब्जे से ग्रामीणों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने नईगढ़ी तहसीलदार को आवेदन देकर मांग की है कि संबंधितों के नाम भू-स्वामी के कॉलम से हटाकर उक्त भूमि को पुनः मध्य प्रदेश शासन के नाम दर्ज किया जाए। वर्तमान में यह मामला शिकायत निवारण अधिकारी के स्तर पर लंबित है।

अमहिया पुलिस ने एसबीआई बैंक में साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों को किया जागरूक

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संचालित सेफ क्लिक 2.0 - सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन साइबर सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान के तहत रीवा पुलिस लगातार आमजन को जागरूक करने का कार्य कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को एसबीआई बैंक परिसर में विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह के निर्देशन में आयोजित इस अभियान में थाना अमहिया प्रभारी शिवा अग्रवाल, अमहिया थाना पुलिस स्टाफ एवं एसबीआई बैंक प्रबंधक अवंतिका पालीवाल ने बैंक पहुंचे ग्राहकों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को ओटीपी फ्रॉड, यूपीआई स्कैम, ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, साइबर बुलिंग, फेक जॉब ऑफर, डेटा चोरी, हैकिंग और निवेश के नाम पर होने वाली ऑनलाइन ठगी से बचने के उपाय बताए गए। साथ ही किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी, पासवर्ड, बैंक खाते और एटीएम से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करने की सलाह दी गई। पुलिस ने साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने तथा पोर्टल पर शिकायत करने की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों एवं बैंक प्रबंधक ने सरल भाषा में जवाब दिया। अंत में रीवा पुलिस ने सभी नागरिकों से स्वयं जागरूक रहने और अपने परिवार, मित्रों व आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित डिजिटल समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की।

संपादकीय

कैसे तय हो नागरिकता

जीवन के किसी मोड़ पर आप को कहा जाए कि 'भारतीयता' साबित करो, तो आप क्या करेंगे? असमर्थ और असहाय महसूस करेंगे, क्योंकि यह बेहद पेचीदा मामला बन गया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट महज एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं है। यह व्यवस्था 1967 से जारी है, जब पासपोर्ट कानून बनाया गया था। सर्वोच्च अदालत भी 2006 और 2013 में दो महत्वपूर्ण फैसले सुना चुकी है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं है। 2013 में ही बंबई उच्च न्यायालय भी ऐसा ही फैसला सुना चुका है। तत्कालीन मनमोहन सरकार ने भी उच्च न्यायालय में हलफनामा देकर स्पष्ट किया था कि पासपोर्ट नागरिकता का दस्तावेज नहीं है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया चूंकि विशेष परिस्थितियों में पासपोर्ट गैर-भारतीय को भी जारी किया जाता रहा है, लिहाजा इसे नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। सवाल है कि पासपोर्ट के कवर पर 'भारतीय गणराज्य' अंकित होता है और शेष विश्व में उस दस्तावेज का धारक 'भारतीय' माना जाता है। उसकी पहचान 'भारतीय' के तौर पर होती है। फिर पासपोर्ट नागरिकता का आधार क्यों नहीं है? 'गैर-भारतीय' के पासपोर्ट पर उसकी नागरिकता का उल्लेख किया जाता है।

बहरहाल पासपोर्ट की बहस यहीं रोक देते हैं, लेकिन करीब 134 करोड़ देशवासियों के पास 'आधार कार्ड' हैं। 97 करोड़ से अधिक देशवासियों को 'मतदाता पहचानपत्र' जारी किए गए हैं। देश का नागरिक ही मतदाता बन सकता है, लिहाजा मतदाता पहचानपत्र परोक्ष रूप से नागरिकता की पुष्टि करता है। करोड़ों भारतीयों के पास राशन कार्ड, पैनकार्ड, भूमि स्वामित्व के दस्तावेज और जन्म प्रमाणपत्र हैं। ये तमाम दस्तावेज सरकारी हैं और सरकारी विभागों ने ही जारी किए हैं। इन्हीं के आधार पर सरकारें 81.35 करोड़ लोगों को 5 किलो मुफ्त राशन हर माह बांटती हैं। क्या विदेशियों को यह राशन बांटा जा रहा है? 'आधार कार्ड' की मांग भी सर्वाधिक है, क्योंकि यह धारक की पहचान का प्रमाणपत्र है, लेकिन सरकार इसे भी नागरिकता का आधार नहीं मानती। 'आधार कार्ड' धारक की पहचान के मायने क्या हैं? धारक का नाम, पिता/पति का नाम, जन्मतिथि, संपर्क-सूत्र और बेहद संवेदनशील बॉयोमीट्रिक डाटा इस कार्ड में निहित है। ऐसी पहचान का व्यक्ति 'भारतीय' क्यों नहीं है? आश्चर्य है मोदी सरकार की इन व्यवस्थाओं पर..! आखिर इतने सरकारी कार्ड, दस्तावेजों का औचित्य क्या है? गंभीर और संवेदनशील सवाल है कि औसत भारतीय अपनी नागरिकता किस आधार पर साबित करे? यदि मोदी सरकार देश में 'नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन' यानि एनआरसी की व्यवस्था लागू करना चाहती है और उसे मानक नागरिकता दस्तावेज की मान्यता देना चाहती है, तो स्पष्ट करे। बहानों और बेजा दलीलों की आड़ में छिप कर 147 करोड़ से अधिक 'भारतीयों' की नागरिकता पर सवाल उठाना न तो राष्ट्रवाद है और न ही देशहित में है। एनआरसी की व्यवस्था 1952 से शुरू की गई थी, संविधान में भी प्रावधान है, लेकिन आज तक यह व्यवस्था देश भर में लागू नहीं हो सकी। नागरिकता कानून भी 1955 का है, लेकिन उसमें भी 2003, 2015, 2019 और 2025 में संशोधन किए गए। तमाम संशोधन भाजपा-एनडीए की सरकार के दौरान किए गए। इसके बावजूद सरकार नागरिकता के मानक आधार तय नहीं कर पाई।

भारत में निर्वासन का जीवन बिता रहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री

'मौत से नहीं डरती', कह कर बांग्लादेश लौटने का ऐलान करने वाली शेख हसीना ने ढाका की राजनीति में खड़ा किया तूफान

नीरज कुमार दुबे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत में निर्वासन का जीवन बिता रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भले ही यह घोषणा की हो कि वह इसी वर्ष अपने देश लौटेंगी और उन्हें मृत्यु का कोई भय नहीं है, लेकिन बांग्लादेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियां यह संकेत दे रही हैं कि वहां उनकी प्रतीक्षा केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं बल्कि संभवतः मृत्यु भी कर रही है। वर्ष 2024 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से उनके खिलाफ मानवता विरोधी अपराधों के कई मामले दर्ज किए गए हैं और उन्हें मृत्युदंड तक सुनाया जा चुका है। ऐसे माहौल में उनकी वापसी केवल एक राजनीतिक घटना नहीं बल्कि बांग्लादेश की सत्ता, न्याय व्यवस्था और प्रतिशोध की राजनीति की सबसे बड़ी परीक्षा बन सकती है।

हम आपको बता दें कि शेख हसीना ने अपने देश लौटने की इच्छा जताकर वहां की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। एक साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वह इसी वर्ष बांग्लादेश लौटने की योजना बना रही हैं। उन्होंने कहा है कि उन्हें मृत्यु का कोई भय नहीं है और उनका लौटना किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का नहीं, बल्कि लोकतंत्र, कानून के शासन और मुक्ति संग्राम की भावना की पुनर्स्थापना का प्रश्न है।

साथ ही शेख हसीना ने अपनी पार्टी अवामी लीग को केवल एक संगठन नहीं बल्कि एक शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों पर हमला दरअसल बांग्लादेश की स्वतंत्रता की भावना पर हमला है। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र कमजोर हो चुका है, कानून व्यवस्था समाप्त हो रही है, अर्थव्यवस्था संकट में है और उग्रवाद तेजी से फैल रहा है। उन्होंने वर्तमान तारीक रहमान नेतृत्व वाली सरकार तथा पूर्ववर्ती मोहम्मद यूनुस के अंतरिम शासन पर भी तीखा हमला बोला। उनका कहना था कि देश में आम लोगों के राजनीतिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

शेख हसीना ने अपने ऊपर चल रहे मामलों और संभावित मृत्युदंड को भी राजनीतिक साजिश बताया। हम आपको बता दें कि उनके खिलाफ मानवता विरोधी अपराधों के कई मामले चल रहे हैं और अदालत से उन्हें मृत्युदंड की सजा भी सुनाई जा चुकी है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया अवैध, असंवैधानिक और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में पहले भी अनेक षड्यंत्रों और हमलों का सामना किया है। वर्ष 1975 में उन्होंने अपने माता पिता, भाइयों और लगभग पूरे परिवार को खो दिया था। इसके अलावा उन पर ग्रेनेड हमला भी हुआ, लेकिन हर कठिन परिस्थिति से निकलकर वह जनता के साथ खड़ी रहीं।

शेख हसीना के इस बयान के बाद बांग्लादेश की राजनीति में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। सत्तारुढ़ बीएनपी और विपक्षी जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने उनके दावों को राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश बताया है। उनका कहना है कि शेख हसीना अपने समर्थकों को सक्रिय कर वर्तमान राजनीतिक स्थिति को अस्थिर करना चाहती हैं। बीएनपी से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि सरकार को उनके बयानों से कोई चिंता नहीं है क्योंकि वर्तमान सरकार को भारी जनसमर्थन प्राप्त है और जनता उसके साथ खड़ी है।

दूसरी ओर, हाल के महीनों में ढाका के राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी तेज हुई है कि प्रतिबंधित अवामी लीग ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में फिर से सक्रिय हो रही है। इसी कथित पुनरुत्थान के कारण तारीक रहमान सरकार ने अवामी लीग के सदस्यों को स्थानीय चुनावों में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भाग लेने की अनुमति दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम बांग्लादेश की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों का संकेत है। जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख एटीएम अजहरुल इस्लाम ने भी इस मुद्दे पर बीएनपी की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि क्या बीएनपी अवामी लीग को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रही है।

हम आपको बता दें कि बांग्लादेश की राजनीति लंबे समय से तीव्र ध्रुवीकरण, प्रतिशोध और कठोर दमन के लिए जानी जाती रही है। वहां सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक विरोधियों पर मुकदमे, गिरफ्तारी, निर्वासन और कई मामलों में मृत्युदंड तक की घटनाएं सामने आती रही हैं। इस समय पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी अवामी लीग के खिलाफ व्यापक कार्रवाई का दौर चल रहा है। वर्ष 2025 में शेख हसीना को मानवता विरोधी अपराधों के मामले में मृत्युदंड सुनाया गया। उनके अनेक सहयोगियों पर भी मुकदमे चल रहे हैं। सरकार ने अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था और उसके हजारों समर्थकों को जेलों में रखा गया है।

यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं तो सबसे पहले उन्हें तत्काल गिरफ्तार किए जाने की संभावना प्रबल मानी जा रही है। चूंकि उनके खिलाफ मृत्युदंड सहित कई फैसले पहले से मौजूद हैं, इसलिए सरकार उन पर कानूनी कार्रवाई को तेज कर सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनकी वापसी देश में भारी तनाव पैदा कर सकती है, क्योंकि अवामी लीग अब भी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रभाव रखती है। उनकी गिरफ्तारी या कठोर दंड से उनके समर्थकों में व्यापक विरोध प्रदर्शन और हिंसक टकराव की स्थिति बन सकती है। दूसरी ओर यदि सरकार उन्हें खुली राजनीतिक गतिविधि की अनुमति देती है, तो अवामी लीग फिर से मजबूत होकर सत्ता संतुलन बदल सकती है। यही कारण है कि वर्तमान सत्ता पक्ष उनकी वापसी को राजनीतिक और सुरक्षा चुनौती के रूप में भी देख रहा है।

हम आपको यह भी बता दें कि बांग्लादेश में राजनीतिक विरोधियों को मृत्युदंड दिए जाने के उदाहरण पहले भी मौजूद हैं। हालिया समय के उदाहरणों पर ही गौर करें तो आपको बता दें कि वर्ष 2013 से 2016 के बीच जमात-ए-इस्लामी के कई शीर्ष नेताओं को 1971 के मुक्ति युद्ध के दौरान मानवता विरोधी अपराधों के आरोप में फांसी दी गई थी। इनमें अब्दुल कादिर मोल्ला, अली अहसान मुजाहिद, सलाहुद्दीन कादर चौधरी और मतीउर रहमान निजामी जैसे प्रमुख नेता शामिल थे। इन सजाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बहस हुई थी और मानवाधिकार संगठनों ने न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। अब शेख हसीना के खिलाफ भी उसी प्रकार की कठोर कार्रवाई ने यह संकेत दिया है कि बांग्लादेश की राजनीति में प्रतिद्वंद्विता अक्सर कानूनी संघर्ष से आगे जाकर अस्तित्व की लड़ाई का रूप ले लेती है।

बहरहाल, शेख हसीना के बयानों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बांग्लादेश की राजनीति अभी भी गहरे विभाजन और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। एक ओर निर्वासन में रह रही पूर्व प्रधानमंत्री अपने समर्थकों को संगठित करने में जुटी हैं, वहीं दूसरी ओर वर्तमान सत्ता पक्ष उनके प्रभाव को सीमित रखने का प्रयास कर रहा है। आने वाले महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौट पाती हैं या नहीं और उनका यह कदम वहां की राजनीति को किस दिशा में ले जाता है।

फिर टूटा छात्रों का भरोसा

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

हमारे तंत्र की नाकामी और परीक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचारियों की जबरदस्त घुसपैठ के परिणामस्वरूप पेपर लीक होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। पहले तो मई का महीना छात्रों के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। नीट, सीबीएसई, एसएसई और सीयूईटी-यूजी परीक्षाओं का आयोजन तो हुआ लेकिन इन सभी परीक्षाओं में अलग-अलग कारणों से विवाद देखने को मिला। कहीं पेपर लीक हुआ तो कहीं तकनीकी कारणों से परीक्षा को दोबारा कराने की नौबत आ गई। अब पेपर लीक होने के चलते महाराष्ट्र, शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) एक दिन पहले ही स्थगित कर दी गई। परीक्षा का स्थगित होना एक बार फिर 6 लाख छात्रों को रुला गया। नीट यूजी परीक्षा तो दोबारा हो गई। अभी इस पर विवाद थमा भी नहीं था कि सीबीएसई बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन करने के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग प्रणाली की गलतियों का भांडा फूट गया। जब छात्रों ने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की री-इवैल्यूएशन करवाई तो अनेक के अंक बढ़ गए। रांची की छात्रा अवनी केजरीवाल ने 500 में से 500 अंक हासिल किए और टॉपर बन गई। इससे स्पष्ट है कि छात्रों के भविष्य से कितना बड़ा खिलवाड़ किया जा रहा है। महाराष्ट्र के टीईटी पेपर लीक होने का पैटर्न नीट परीक्षा की तरह ही रहा। कुछ लोगों के पास ऐसे प्रश्न पत्र थे जिनके सवाल टीईटी परीक्षा के प्रश्न पत्र से मिलते-जुलते थे। पेपर लीक होना कोई नई बात नहीं। 2002 से लेकर 2026 तक 46 प्रमुख पेपर लीक हुए थे लेकिन परीक्षा निकायों में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन मुट्ठीभर अधिकारियों को हटाया गया या उनके खिलाफ कार्रवाई की गई जिसमें अदालती दोषसिद्धि भी शामिल है। महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक के मास्टर माइंड विजेन्द्र गुप्ता की तलाश पुलिस कर रही है और अब तक तीन गिरफ्तारियां हुई हैं। बिहार के समस्तीपुर निवासी विजेन्द्र गुप्ता पर पहले भी पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े होने के आरोप लगते रहे हैं लेकिन आज तक उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। 2024 के एक स्टिंग ऑपरेशन में खुद विजेन्द्र गुप्ता ने बड़े-बड़े दावे किए। महाराष्ट्र में टीईटी परीक्षा के औचित्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। अनेक शिक्षाविदों का कहना है कि पहले नीट और टीईटी शिक्षकों को 2028 तक यह परीक्षा पास करने को कहा गया है।

नौकरी मिलने के बाद परीक्षाओं को लेकर नीति अर्थहीन है। इसलिए टीईटी की कोई जरूरत ही नहीं है। लाखों छात्रों की सालभर की मेहनत पेपर लीक के चलते बर्बाद हो जाती है तो परीक्षा प्रणाली पर भरोसा कैसे करें। बार-बार हो रही घटनाओं से छात्रों का शासन व्यवस्था पर भरोसा खत्म हो चुका है। पेपर लीक के चलते छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गम्भीर प्रभाव पड़ता है। नीट परीक्षा लीक होने के बाद देशभर में दर्जनभर छात्र-छात्राएं आत्महत्या कर चुके हैं। कितने ही परिवार जोत्रष्टा लेकर अपने बच्चों को तैयारी करवाते हैं, बुरी तरह सेटूट चुके हैं। जब छात्र सड़कों पर आकर विरोध प्रदर्शन करते हैं तोउन्हें दहशतगर्द करार दिया जाता है। आंकड़े इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करते हैं। बोर्ड परीक्षाओं से लेकर प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश परीक्षाओं तक, प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने देशभर में अनगिनत छात्रों को प्रभावित किया है। ये उल्लंघन न केवल परीक्षाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को खतरे में डालते हैं, बल्कि शैक्षणिक ढांचे के भीतर मौजूद व्यवस्थागत कमजोरियों को भी उजागर करते हैं। प्रश्न पत्र लीक होने के परिणाम केवल व्यवस्थागत बाधाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों में जनता के विश्वास को भी प्रभावित करते हैं और छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच समान रूप से चिंताएं बढ़ाते हैं। इस जटिल मुद्दे के समाधान के लिए तकनीकी नवाचारों, कड़े नियामक ढांचे और निष्पक्ष मूल्यांकन प्रथाओं की नैतिक अनिवार्यता के बारे में हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाने सहित एक समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। भारत अपनी परीक्षा प्रणालियों की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रयासरत है, ऐसे में परीक्षा पत्रों के लीक होने की रोकथाम देशभर में समान अवसर सुनिश्चित करने और शैक्षणिक गतिविधियों की अखंडता को संरक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। भारत में परीक्षा पत्रों का लीक होना एक गंभीर समस्या बन गया है, जिससे शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता धूमिल हो रही है और हितधारकों के बीच गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं। इन लीक की बार-बार होने वाली घटनाओं के कई कारण हैं। शिक्षा क्षेत्र में तकनीकी कमजोरियां, विशेष रूप से कमजोर साइबर सुरक्षा उपाय, अपराधियों को डिजिटल प्रणालियों का दुरुपयोग करने और गोपनीय परीक्षा पत्रों तक अवैध रूप से पहुंचने की अनुमति देते हैं। भ्रष्टाचार भी एक प्रमुख कारण है, जिसमें अधिकारियों और वित्तीय लाभ चाहने वाली बाहरी संस्थाओं के बीच मिलीभगत परीक्षाओं की निष्पक्षता से समझौता करती है। प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों या सरकारी नौकरियों के लिए परीक्षाओं की प्रतिस्पर्धी प्रकृति उम्मीदवारों पर दबाव बढ़ाती है जिससे कुछ उम्मीदवार अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए लीक हुए पत्रों का उपयोग करने जैसी अनैतिक प्रथाओं का सहारा लेते हैं।

व्हीलचेयर या शॉर्टकट: दया को सुविधा का माध्यम बनाना बंद कीजिए

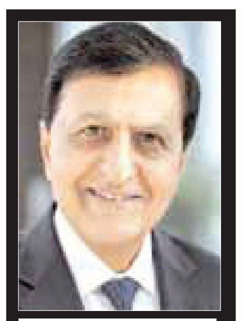

पवन शर्मा

अध्यक्ष आर्ट वेद कल्चरल एंड स्पोर्ट्स सोसायटी

ज़रूरत और चालाकी के बीच एक बहुत पतली रेखा होती है। दुर्भाग्य से, आज कई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर यह रेखा लगातार मिटती जा रही है। व्हीलचेयर कोई विशेषाधिकार नहीं है। यह कोई वीआईपी पास नहीं है, न ही जल्दी बोर्डिंग का टिकट। यह उन बुजुर्गों, दिव्यांगों, ऑपरेशन से उबर रहे मरीजों और गंभीर बीमारी से जूझ रहे यात्रियों के लिए बनाई गई सुविधा है, जो वास्तव में लंबी दूरी तक चलने में असमर्थ हैं। लेकिन आज हम क्या देख रहे हैं? जैसे ही बोर्डिंग शुरू होती है, व्हीलचेयर यात्रियों की लंबी कतार दिखाई देती है। उन्हें प्राथमिकता मिलती है, और मिलनी भी चाहिए। परंतु विमान के भीतर वही यात्री बार-बार सीट से उठते हैं, आराम से गलियारों में चलते हैं, कई बार शौचालय जाते हैं, ऊपर रखा सामान निकालते हैं और पूरी सहजता से इधर-उधर घूमते दिखाई देते हैं। और असली दृश्य तब सामने आता है जब विमान उतरता है। एयरलाइन कर्मचारी घोषणा करते हैं कि व्हीलचेयर वाले यात्री सहायता आने तक अपनी सीट पर बैठे रहें। लेकिन जिन लोगों को कुछ समय पहले चलने में कठिनाई थी, वे अचानक फुर्ती से खड़े हो जाते हैं, सामान उठाते हैं और सबसे पहले बाहर निकलने की होड़ में लग जाते हैं।

सवाल उठना स्वाभाविक है – क्या व्हीलचेयर वास्तव में चिकित्सीय आवश्यकता थी, या सिर्फ जल्दी चढ़ने और जल्दी उतरने का तरीका? हर झूठी व्हीलचेयर बुकिंग का एक असली पीड़ित होता है हर अनावश्यक अनुरोध किसी वास्तविक जरूरतमंद की प्रतीक्षा बढ़ाता है। यह हवाई अड्डे के संसाधनों और कर्मचारियों का समय नष्ट करता है और सबसे खतरनाक बात यह व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर कर देता है।

दया का दुरुपयोग शर्म की बात है- अक्सर विदेश यात्रा करने वाले अनेक भारतीय स्वयं स्वीकार करते हैं कि जब वे अपने ही समुदाय के कुछ लोगों को इस प्रकार व्यवस्था का लाभ उठाते देखते हैं, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। संख्या कम हो या अधिक, हर ऐसा व्यवहार एक अनुशासित और जिम्मेदार यात्री के रूप में हमारी छवि को नुकसान पहुँचाता है।

समाधान क्या हो ?- एयरलाइंस भी कठिन स्थिति में होती हैं। दिव्यांग अधिकारों और भेदभाव-विरोधी कानूनों के कारण वे हर यात्री से कठोर पूछताछ नहीं कर सकतीं। इसलिए यह व्यवस्था यात्रियों की ईमानदारी पर निर्भर करती है। अब समय आ गया है कि कुछ व्यावहारिक कदमों पर विचार किया जाए व्हीलचेयर सेवा पर नाममात्र शुल्क लिया जाए, जिसे वास्तविक चिकित्सीय प्रमाणपत्र, दिव्यांग पहचान पत्र या निर्धारित आयु से अधिक यात्रियों को वापस कर दिया जाए। व्हीलचेयर मांगते समय स्व-घोषणा अनिवार्य की जाए। बार-बार गलत जानकारी देकर सुविधा लेने वालों पर प्रतिबंध या जुर्माना लगाया जाए। यह केवल व्हीलचेयर का मुद्दा नहीं है यह हमारे चरित्र का प्रश्न है। यह नागरिक संस्कार का प्रश्न है। यह उन सुविधाओं के प्रति सम्मान का प्रश्न है, जो समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों के लिए बनाई गई हैं। हम अक्सर भ्रष्टाचार, लाइन तोड़ने और सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग की आलोचना करते हैं। लेकिन जब हम स्वयं सुविधा के लिए व्यवस्था को मोड़ते हैं, तो उसी संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं जिसकी शिकायत करते हैं।

किसी समाज की पहचान इस बात से नहीं होती कि वह शक्तिशाली लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है, बल्कि इस बात से होती है कि वह कमजोर लोगों के लिए बनी सुविधाओं का कितनी ईमानदारी से उपयोग करता है। व्हीलचेयर सम्मान का प्रतीक बनी रहे, छल का साधन नहीं।

आखिर हम किस देश के वासी हैं कोई तो बताए...

अभी अभी एक ताजा खबर मिली है कि विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट को नागरिकता का दस्तावेज मानने से इंकार कर दिया है जिससे हर भारतीय को खुद के भारत का नागरिक होने में सन्देह पैदा हो गया है। पाठकों को याद होगा पुराने दौर की एक मशहूर फिल्म आवारा में राज कपूर ने जापानी जूता और इंग्लिस्तानी पतलून के बावजूद दिल के हिंदुस्तानी होने का दावा किया था। यानी अगर आपका सिर्फ और सिर्फ दिल हिन्दुस्तानी है तो आप बेशक भारतीय नागरिक माने जाते थे। लेकिन उसके बाद एक और गाना हिट हुआ जिसमें सवाल उठाया गया कि गंगा मेरी माँ का नाम बाप का नाम हिमाला, अब तुम खुद ही फैसला कर लो मैं किस सूबे वाला। इस गाने को लेकर विवाद भी खड़ा हुआ था कि गंगा तो हिमालय की बेटी हैं फिर वो हिमालय की पत्नी कैसे बतला दी गीतकार ने? लगता है विदेश मंत्रालय ने इसी गाने की तर्ज पर नागरिकता के सवाल में और ज्यादा कंफ्यूजन पैदा कर दिया है। कोर्ट पहले ये भी कह चुके हैं कि आधार कार्ड अथवा वोटर कार्ड भी नागरिकता का सबूत नहीं हैं। तो फिर कोई खुद को नागरिक कैसे साबित करे? सरकार के मुताबिक वैसे तो जन्म मृत्यु पंजीयन अधिनियम 1969 के लागू होने के बाद वर्ष 1970 से ही जन्म प्रमाण पत्र को अनिवार्य घोषित कर दिया गया था लेकिन बाकी कानूनों की तरह इसका पालन भी पूरी गंभीरता से नहीं किया गया। जरूरत पड़ने पर लोग बोर्ड परीक्षा की मार्क शीट को पेश कर के कॉलेज में एडमिशन लेते थे और नौकरी भी करते रहे। बोर्ड परीक्षा की मार्कशीट की जन्मतिथि पर सरकार को इतना भरोसा था कि उसी के मुताबिक लोगों के पासपोर्ट तक जारी होते रहे। हालांकि 2025 में संशोधित पासपोर्ट नियमों के अनुसार 1 अक्टूबर 2023 के बाद पैदा होने वालों को आवेदन के साथ जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। लेकिन विदेश मंत्रालय ने यह कह कर नई मुश्किल खड़ी कर दी है कि पासपोर्ट भी भारत की नागरिकता का सबूत नहीं बल्कि केवल विदेश यात्रा का अनुमति पत्र है। इस बात पर हंगामा होने के बाद विदेश मंत्रालय ने फिर से स्पष्ट किया कि पासपोर्ट अधिनियम 1967 के अनुसार गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट जारी किया जा सकता है इसलिए पासपोर्ट को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। अब लोग बेहद हैरान हैं कि जो पासपोर्ट विदेशी मुल्कों में हम को भारतीय नागरिक होने की पहचान देता है वो खुद भारत में नागरिकता की गारण्टी नहीं देता। मजे की बात यह है कि सरकार के पास इस बात का जवाब अभी भी नहीं है कि नागरिकता का सबूत आखिर है क्या? इसी दौरान वोटर लिस्ट के अपडेट करने की प्रक्रिया और जनगणना साथ साथ चल रहे हैं और नागरिक डर के मारे घर की पुरानी संदूकें और अलमारियाँ खंगाल रहे हैं ताकि खुद के या अपने बाप-दादों के ऐसे कागज़ात मिल जायें जो भारतीय होने का सबूत बन सकें। 1960 में रिलीज़ हुई राज कपूर की सुपरहिट फिल्म का प्रसिद्ध टाइटल गीत था हम उस देश के वासी हैं जिस देश में गंगा बहती है। लेकिन अब भारत में रह रहे हर नागरिक के मन में अहम सवाल उठ रहा है ये है कि आखिर हम किस देश के वासी हैं कोई तो बताए।

मानसून आखिर तुम कब आओगे

परेश रावल की एक बड़ी मजेदार फिल्म थी अतिथि तुम कब जाओगे उसी तर्ज पर आजकल हर आदमी आकाश की तरफ निगाहें डालकर एक ही बात पूछ रहा है कि हे मानसून आखिर तुम कब आओगे, बीच-बीच में थोड़े बहुत छींटे जमीन पर पड़ जाते हैं और लोग बात खुशी से नाचने लगते हैं कि लो भाई अब मानसून आ गया लेकिन बाद में पता चलता है कि ये मानसून नहीं बल्कि लोकल बादल बारिश कर रहे हैं। अपने को तो समझ में नहीं आता की मानसून ट्रेनों की तर्ज पर लेट क्यों होने लगा है क्या वो ट्रेन से आता है, लगता तो ऐसा ही है, फिर कभी रास्ता भटक जाता है फिर कहीं अटक जाता है । अरे भाई जब एक बार तुमको पूरी रोड मालूम है कि हमें यहां से वहां जाना है तो इतने कितने भुलक्कड़ हो गए हो कि हर बार रास्ता भूल जाते हो यदि डिमेंशिया हो गया हो तो किसी डाक्टर को दिखाओ कहीं भटक जाते हो कहीं अटक जाते हो, आदमी गर्मी से हलाकान है, पसीने से तर है, धूप ऐसी लग रही है जैसे आग के कुंड में बैठे हो सबकी निगाहें सिर्फ तुम्हारी तरफ गड़ी हुई हैं । जून खत्म होने को आ रहा है लोग बात और मौसम वैज्ञानिक भी कहते थे कि 15 जून तक मानसून अपने प्रदेश में सक्रिय हो जाएगा लेकिन 15 दिन ज्यादा हो गए दूर-दूर तक तुम्हारा कोई पता नहीं है ऐसे में आदमी करे तो करे क्या? सारे पानी के स्रोत सूख गए हैं उनकी सिल्ट बाहर झांकने लगी है नगर निगम आखिर पानी ले तो ले कहां से ? टैंकर तो है लेकिन पानी भरा कहां से जाएगा ये भी तो बड़ा सवाल है। मानसून भैया तुमसे हाथ जोड़कर यही प्रार्थना है कि जहां कहीं भी अटके हो, लटके हो,भटके ही तो किसी चाय के टपरे वाले से रास्ता पूछ कर सीधे-सीधे आ जाओ या फिर हम अपनी लोकेशन मोबाइल पर भेज देते हैं उसी के सहारे आ जाओ लेकिन आ जरूर जाओ ।

विदेश में भी हाहाकार

पता चला है कि यूरोप के बारह देशों में ऐसी गर्मी पड़ रही है कि वहां हाहाकार मच गया है अपने को तो ये बताया जाता था कि विदेश का मौसम बहुत अच्छा होता है वहां गर्मी नहीं पड़ती, ठंड पड़ती है बर्फ जमी रहती है लेकिन ये सारे भरम टूट गए, हाल ये है कि स्कूल बंद कर देने पड़े हैं, शराब पीने तक में रोक लगा दी गई है, शहरों में कूलिंग केंद्र बना दिए गए हैं अभी तक ढाई सौ से ज्यादा मौतें भी हो चुकी हैं लोग बाग सुबह से लेकर शाम तक तलाब और नदी में बैठे हैं बताया गया है कि लोगों से कहा है कि दोपहर के बाद बाहर न निकले इन तमाम लोगों को भारत के लोगों से शिक्षा लेना चाहिए जो भरी दुपहरिया में बेहतरीन घूमते फिरते नजर आते हैं लू से बचने प्याज जेब में रख लेते हैं, बहुत ज्यादा हुआ तो कान गमछे से ढक लेते हैं लेकिन घूमना नहीं छोड़ते,दरअसल उन्हें ऐसी गर्मी की भारी प्रैक्टिस भी है तापमान पैंतालीस डिग्री हो या सैंतालीस डिग्री, उनके लिए कोई मायने रखता नहीं है। यूरोप के लोग बाल गोरे भी होते हैं उन्हें अपने काले होने का भी डर रहता है लेकिन अपने यहां अधिकांश लोग करिया ही होते हैं, कितनी धूप पड़े रंग और कितना काला पड़ेगा इसलिए उन्हें इस बात की चिंता नहीं रहती। अपनी तो यूरोप वालों को सलाह है कि भैया एक दो साल भारत में रहने आ जाओ और गर्मी से लड़ने की ताकत अपने अंदर पैदा कर लो वरना ऐसे ही अलसेट खाते रहोगे।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

पापा अगर मैं परीक्षा में पास हो गया तो आप को कैसा लगेगा श्रीमानजी के बेटे ने श्रीमान जी से पूछा

मैं खुशी से पागल हो जाऊंगा श्रीमान जी ने कहा

बस पापा इसी डर से मैं फेल हो गया बेटे में उत्तर दिया।

कल से दिल्ली-मुंबई मार्ग पर ट्रेन रहेंगी प्रभावित, एक महीने तक कई ट्रेन निरस्त

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

झांसी रेल मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना रेलखंड पर स्थित ललितपुर स्टेशन पर 1 जुलाई से 1 अगस्त तक यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य होगा। इस दौरान कई ट्रेनों को निरस्त किया गया है, जबकि दर्जनों एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग बदला जाएगा। कुछ ट्रेनों का ललितपुर स्टेशन पर ठहराव भी नहीं रहेगा।

रेलवे के अनुसार, कार्य तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। इसके चलते अलग-अलग अवधि के ब्लॉक लिए जाएंगे, जिससे रेल संचालन प्रभावित रहेगा। यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति जांचने की सलाह दी गई है।

रेलवे के अनुसार, प्री-नॉन इंटरलॉकिंग (एनआई) कार्य 1 से 19 जुलाई तक चलेगा। 20 जुलाई को नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इसके बाद 21 जुलाई से 1 अगस्त तक पोस्ट-एनआई कार्य होगा। इस दौरान अप, डाउन और तीसरी लाइन पर समय-समय पर ब्लॉक लिए जाएंगे।

कई ट्रेनें रहेंगी निरस्त

यार्ड रिमॉडलिंग के चलते झांसी-ललितपुर, ललितपुर-बीना पैसेंजर सेवाओं के अलावा भोपाल-खजुराहो और खजुराहो-भोपाल एक्सप्रेस को निर्धारित तिथियों में निरस्त किया गया है। इसके साथ ही लखनऊ सिटी-एसएमवीटी बेंगलुरु और हुबली-योगनगरी ऋषिकेश जैसी लंबी दूरी की कुछ ट्रेनें भी कुछ फेरों के लिए रद्द रहेंगी। रेल प्रशासन ने बताया कि 13 से 20 जुलाई के बीच कई प्रमुख ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। इनमें यशवंतपुर-निजामुद्दीन, तिरुपति-जम्मूतवी, हैदराबाद-निजामुद्दीन, चेन्नई-नई दिल्ली, नई दिल्ली-हैदराबाद, बांद्रा-कानपुर, एलटीटी-बरेली, इंदौर-बरेली, दादर-गोरखपुर और दादर-बलिया एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों का संचालन बीना-रूठियाई-सोगरिया-बयाना, बीना-गुना-ग्वालियर, इटारसी-जबलपुर-ओहान-कानपुर तथा इटारसी-जबलपुर-सतना-मानिकपुर जैसे वैकल्पिक मार्गों से किया जाएगा।

कुछ ट्रेनों का ललितपुर में नहीं होगा ठहराव

खजुराहो-निजामुद्दीन, कुरुक्षेत्र-खजुराहो और झांसी-खजुराहो सहित कुछ ट्रेनों को दैलवारा-न्यू ललितपुर टाउन-बिरारी मार्ग से चलाया जाएगा। इस अवधि में इन ट्रेनों का ललितपुर स्टेशन पर ठहराव नहीं रहेगा। यात्रियों की सुविधा के लिए दैलवारा स्टेशन पर अस्थायी ठहराव दिया जाएगा।

110 मिनट तक नियंत्रित होकर चलेंगी ट्रेनें

कार्य अवधि के दौरान कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को 10 मिनट से लेकर 110 मिनट तक नियंत्रित कर संचालित किया जाएगा। इनमें निजामुद्दीन-यशवंतपुर, निजामुद्दीन-विशाखापट्टनम, अमृतसर-बिलासपुर, अहमदाबाद-बनारस, पुणे-लखनऊ और पुडुचेरी-नई दिल्ली एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें शामिल हैं। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन की अद्यतन स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। रेलवे का कहना है कि यार्ड रिमॉडलिंग का यह कार्य भविष्य में सुरक्षित और बेहतर रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है।

जनता को समय पर सेवा नहीं दे पाए अधिकारी, अब लगेगा जुर्माना

■ दो नायब तहसीलदार व दो सीएमओ को नोटिस

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत निर्धारित समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण नहीं करना जिले के चार अधिकारियों को महंगा पड़ गया है। जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देश पर दो नायब तहसीलदारों और दो मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही इनके खिलाफ अर्थदंड की कार्रवाई की तैयारी भी शुरू हो गई है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद आंतरी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी बृजकिशोर शर्मा द्वारा 19 आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण नहीं किया गया।

वहीं नायब तहसीलदार सुपावली वृत्त मुन्नालाल गौड़ और नायब तहसीलदार पुरानी छावनी वृत्त सतेन्द्र सिंह तोमर द्वारा एक-एक आवेदन लंबित रखने पर नोटिस जारी हुआ है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी पिछोर पियूष श्रीवास्तव को भी कारण बताओ नोटिस थमाया गया है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्रत्येक दिन की देरी पर 250 रुपए की दर से अधिकतम 5 हजार रुपए तक का अर्थदंड लगाने का प्रावधान है।

संक्षिप्त समाचार

एमएसएमई महोत्सव एक जुलाई से

ग्वालियर। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), स्टार्टअप्स तथा उद्यमियों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आईसीएआई की ग्वालियर शाखा (सीआईआरसी) द्वारा एमएसएमई महोत्सव का आयोजन एक और दो जुलाई को प्रातः 11 से सायं 5 बजे तक शाखा परिसर, सिटी सेंटर, ग्वालियर में किया जाएगा। इस महोत्सव में व्यापारी, उद्योगपति, स्टार्टअप फाउंडर्स, प्रोफेशनल्स एवं अन्य सभी हितधारक नि:शुल्क भाग लेकर विभिन्न सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन आज

ग्वालियर। जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन 30 जून को होगा। समापन अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन किया जाएगा तथा अभियान के तहत किए गए कार्यों और उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण होगा। 19 मार्च से शुरू हुए इस अभियान के दौरान ग्वालियर जिले में लगभग 18 हजार 466 कार्य संपादित किए गए हैं, जिनसे 24 लाख 4 हजार घन मीटर से अधिक जल ग्रहण क्षमता बढ़ी है। अभियान से जिले के 3 हजार 257 किसान सीधे लाभान्वित हुए हैं। जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन, वर्षा जल संचयन, नदी पुनर्जीवन, जल गुणवत्ता परीक्षण और जनजागरूकता से जुड़े अनेक कार्य किए गए।

चेंबर चुनावः मतदान राजमाता और मतगणना लाला भिकारीदास व कॉन्फ्रेंस सभागार में

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मप्र चेंबर ऑफ कॉमर्स का चुनाव 17 जुलाई शुक्रवार को सुबह 8 बजे से होने जा रहा है। जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस मतदान में 3450 सदस्य 6 पदाधिकारियों और 53 कार्यकारिणी समूहों के लिए मतदान करेंगे। मतदान राजमाता विजयाराजे सिंधिया सभागार में होगा। पदाभिलाषियों की मतों की गणना चेम्बर के कॉन्फ्रेंस हॉल और कार्यकारिणी सदस्यों के मतों की गणना लाला भिकारीदास सभागार में होगी।

चुनाव को संपन्न कराने के लिए निर्वाचन अधिकारी ने 80 लोगों की टीम बनाई है जिनकी देखरेख में चुनाव होगा। मतदान कराने के लिए राजमाता विजयाराजे सिंधिया सभागार में 18 से 20 पॉलिंग बूथ तैयार किए जाएंगे। मतदान में जाने से पूर्व मतदाताओं की सभागार के मुख्य द्वार पर ही एंट्री की जाएगी। इसके बाद पॉलिंग बूथ पर जाकर वेलेड पेपर पर सील लगाई जाएगी। मत पेटियों को सभागार के बीचों-बीच रखा जाएगा जहां निर्वाचन अधिकारी और उनकी टीम की देखरेख में मत-पत्र पेटियों में डाले जाएंगे। चुनाव में पदाभिलाषियों और कार्यकारिणी समूह की अलग-अलग पेटियां होंगी। मतदान करने के बाद प्रत्याशी को एक अलग द्वार से बाहर निकाल दिया जाएगा। मतदान समाप्ति के बाद मतों की गणना की जाएगी और रात्रि में परिणाम घोषित किया जाएगा।

सुरक्षा की रहेगी पूरी व्यवस्था

मतदान के दौरान किसी भी प्रकार कोई चूक और परेशानी न हो इसके लिए कैमरों की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही पुलिस बल भी मौके पर रहेगा।

367 सदस्यों का रहा बकाया

चुनाव में 1278 सदस्यों में 367 सदस्यों का बकाया रह गया है। जबकि 911 सदस्यों ने अपने बकाए को जमा कर दिया है। सदस्य मतदाताओं द्वारा चेम्बर की बकाया राशि जमा करने की अंतिम तिथि 7 जुलाई है।

इनका कहना है

चेम्बर के इस चुनाव को लेकर बेहद सतर्कता बरती जा रही है। चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से और बेहतर हो इसके लिए हमारी टीम काम कर रही है। नियोजन पत्रों की जांच शुरू हो गई है। पदाभिलाषियों की अंतिम सूची 4 जुलाई को चस्पा की जाएगी।

अशोक विजयवर्गीय
निर्वाचन अधिकारी

एसएनसीयू में पल रही मासूम, पुलिस नहीं करा पाई सुरक्षित संरक्षण की प्रक्रिया

13 दिन बाद भी नहीं मिले नवजात के परिजन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मुरार जिला अस्पताल के जच्चा खाने में चार दिन की नवजात बच्ची को भगवान भरोसे छोड़कर गायब हुए माता-पिता तक पुलिस 13 दिन बाद भी नहीं पहुंच सकी है। हैरानी की बात यह है कि बच्ची को सुरक्षित संरक्षण गृह या बाल कल्याण समिति के माध्यम से अन्यत्र शिफ्ट कराने की प्रक्रिया भी अब तक पूरी नहीं हो सकी है। पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते अस्पताल प्रबंधन को एक बार फिर थाने को पत्र लिखकर बच्ची के भविष्य को लेकर आवश्यक कार्रवाई की मांग करनी पड़ी है।

जानकारी के अनुसार 16 जून को जिला अस्पताल के जच्चा खाना परिसर में स्थित मंदिर के पास एक चार दिन की नवजात बच्ची लावारिस हालत में मिली थी। नवजात के रोने की आवाज सुनकर अस्पताल स्टाफ की नजर उस पर पड़ी, जिसके बाद तत्काल उसे सुरक्षित अस्पताल के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में भर्ती कराया गया।

अस्पताल प्रबंधन ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी थी और बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू करने का अनुरोध किया था। उम्मीद थी कि सीसीटीवी फुटेज, अस्पताल रिकॉर्ड और अन्य माध्यमों से पुलिस जल्द ही बच्ची को छोड़कर जाने वालों तक पहुंच जाएगी, लेकिन लगभग दो सप्ताह बीतने के बाद भी जांच किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है। इधर नवजात पूरी तरह स्वस्थ है और उसकी देखभाल अस्पताल का नर्सिंग स्टाफ तथा एसएनसीयू कर्मी कर रहे हैं। बच्ची को समय पर दूध, दवाइयां और अन्य आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है। लेकिन अस्पताल किसी नवजात को अनिश्चितकाल तक अपने यहां भर्ती नहीं रख सकता। नियमों के अनुसार ऐसे मामलों में बाल कल्याण समिति, महिला एवं बाल विकास विभाग अथवा अधिकृत संरक्षण गृह के माध्यम से बच्चे के पुनर्वास और संरक्षण की व्यवस्था की जाती है। इसी उद्देश्य से अस्पताल प्रबंधन ने पहले भी पुलिस को पत्र लिखकर बच्ची को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराने का आग्रह किया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने एक बार फिर संबंधित थाने को पत्र भेजकर बच्ची को सुरक्षित संरक्षण गृह या अधिकृत संस्था में शिफ्ट कराने तथा मामले में शीघ्र कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

जीवाजी विश्वविद्यालय में खाली सीटों पर प्रवेश के लिए सीएलसी राउंड शुरू

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जीवाजी विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश का अंतिम दौर शुरू हो गया है। कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) के तहत अब उन छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जा रहा है, जो पहले के चरणों में किसी कारणवश एडमिशन नहीं ले सके थे। विश्वविद्यालय ने केवल उन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू की है, जहां अभी सीटें रिक्त हैं। सीएलसी राउंड में प्रवेश पूरी तरह पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया जा रहा है। इच्छुक विद्यार्थियों को संबंधित अध्ययनशाला में पहुंचकर आवेदन पत्र भरना होगा। विभागों में तैनात कर्मचारी मौके पर ही मूल दस्तावेजों का सत्यापन कर पात्र विद्यार्थियों को तत्काल सीट आवंटित कर रहे हैं। प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को आवेदन पत्र के साथ सभी आवश्यक मूल दस्तावेज और उनकी स्वप्रमाणित प्रतियां जमा करनी होंगी। पात्रता की जांच पूरी होने के बाद उसी समय प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश केवल रिक्त सीटों पर ही दिए जाएंगे। इसलिए इच्छुक विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे समय रहते संबंधित विभाग में पहुंचकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर लें।

होटल में दांव लगाते सात जुआरी पकड़े 66 हजार और सात मोबाइल मिले

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

होटल के लग्जरी रूम में बैठकर ताश के पत्तों पर दांव लगा रहे सात जुआरियों को हजीरा थाना पुलिस ने यादव धर्मकांटा के समीप होटल क्रिस्टल से पकड़ा है। पकड़े गए जुआरियों से पुलिस ने 66 हजार रुपए के साथ ही सात मोबाइल भी बरामद किए है। पकड़े जाने पर जुआरियों ने कुछ रसूखदारों से कॉल लगावाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उनकी एक न सुनी। पुलिस अब पता लगा रही है कि होटल में जुआ का अड्डा कब से चल रहा था। पुलिस टीम जब होटल में पहुंची और कमरों की चेकिंग करना शुरू कर दिया तो वहां पर हड़कंप मच गया। पुलिस जब रूम नंबर 110 में पहुंची तो वहां पर जुआ का फड़ लगा हुआ था। पुलिस को देखते ही कुछ जुआरी टॉयलेट में जा छिपे, जिन्हें पुलिस ने दबोच लिया। पकड़े गए जुआरियों से पुलिस ने 66 हजार रुपए के साथ ही सात मोबाइल जब्त किए हैं। पुलिस पकड़ में आए जुआरियों की पहचान मुकेश यादव, ओमप्रकाश, विवेक, अशोक, शुभम, नईम बख्श और दौलत राम के रूप में हुई है। पुलिस ने पकड़े गए जुआरियों पर मामला दर्ज कर लिया है।

आईजी ने किया एसपी ऑफिस का निरीक्षण कहा-लंबित मामलों का निराकरण शीघ्र करें

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पुलिस महानिरीक्षक अरविंद कुमार सक्सेना ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण किया। आईजी का यह विस्तृत निरीक्षण आगामी तीन दिनों तक जारी रहेगा। निरीक्षण के पहले दिन आईजी, एसपी ऑफिस की विभिन्न महत्वपूर्ण शाखाओं में पहुंचे और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी धर्मवीर सिंह सहित अन्य अफसर मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन स्तर पर किसी भी तरह के प्रकरण लंबित न रहें, तत्काल उनका निराकरण किया जाए।

कर्मचारियों की कल्याणकारी योजनाओं पर फोकस : आईजी अरविंद सक्सेना ने निरीक्षण के दौरान विशेष रूप से पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के हित में चलाई जा रही विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैदानी स्तर पर काम करने वाले जवानों और कर्मचारियों का कल्याण पुलिस प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

अनुकंपा नियुक्ति और बजट की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान आईजी ने दफ्तर की विभिन्न शाखाओं में फाइलें खंगालने के साथ ही दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों को मिलने वाली अनुकंपा नियुक्ति के मामलों की वर्तमान स्थिति क्या है और इसमें देरी क्यों हो रही है, इसकी बारीकी से जानकारी ली गई। पुलिस विभाग को मिलने वाले शासकीय बजट का प्रयोग किस तरह और किन मदों में किया जा रहा है, इसके वित्तीय रिकॉर्ड की जांच की गई।

आदेशों की अनदेखी पर सख्ती, हर 3 महीने में स्ट्रक्चरल रिपोर्ट अनिवार्य

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

नगर निगम सीमा क्षेत्र में लगाए गए यूनिपोल, होर्डिंग और गैन्ट्री संरचनाओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अब नगर निगम ने सख्त रुख अपना लिया है। आउटडोर मीडिया नियम 2017 की कंडिका 18 (1) (ख) के प्रावधानों का पालन नहीं किए जाने पर निगमायुक्त संघ प्रिय ने सख्त निर्देश जारी किए हैं।

नियमों के अनुसार सभी विज्ञापन एजेंसियों, निजी भूमि व भवन स्वामियों द्वारा यूनिपोल, होर्डिंग और गैन्ट्री की स्ट्रक्चरल एवं निरीक्षण रिपोर्ट साल में एक बार दी जाती रही है, जबकि नियमानुसार यह रिपोर्ट हर तीन माह में देना अनिवार्य है। इस गंभीर उल्लंघन को देखते हुए अब निगम आयुक्त ने सख्त आदेश जारी करते हुए तिमाही आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। नोडल अधिकारी ने बताया कि अब सभी संबंधित एजेंसियों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार रिपोर्ट देनी होगी। इसके तहत अप्रैल से जून की रिपोर्ट जुलाई के प्रथम सप्ताह में, जुलाई से सितंबर की रिपोर्ट अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में, अक्टूबर से दिसंबर की रिपोर्ट जनवरी के प्रथम सप्ताह में तथा जनवरी से मार्च की रिपोर्ट अप्रैल के प्रथम सप्ताह में अनिवार्य रूप से कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। इसके साथ ही सभी विज्ञापन संचालकों, एजेंसियों एवं निजी भवन/भूमि स्वामियों को यह भी निर्देशित किया गया है कि वे अपने स्ट्रक्चर्स का नियमित बीमा कराएं और बीमा की अवधि समाप्त होने से पहले उसका नवीनीकरण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें।

पर्यावरण संरक्षण जन भागीदारी से ही संभव : पवैया

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, ग्वालियर द्वारा नई सड़क स्थित राष्ट्रोत्थान न्यास कार्यालय में पर्यावरण संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंडलेश्वर स्वामी संतोष गुरुजी ने की। मुख्य वक्ता पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के मध्य क्षेत्र संयोजक धीर सिंह पवैया रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी और प्रांत सह-संयोजक डॉ. पुरुषोत्तम शर्मा उपस्थित थे। विभाग संयोजक प्रो. चंद्रभान सचान ने शॉल एवं श्रीफल भेंटकर अतिथियों का स्वागत किया। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में स्वामी संतोष गुरुजी ने कहा कि देश को ऐसे समर्पित सेवकों की आवश्यकता है, जो पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाकर भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए कार्य कर रहे हैं।

मुख्य वक्ता धीर सिंह पवैया ने प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के अनुसार एक व्यक्ति की ऑक्सीजन आवश्यकता की पूर्ति के लिए लगभग 422 पौधों की जरूरत होती है, जबकि वर्तमान परिस्थितियों में औसतन केवल 28 पौधों के बराबर ऑक्सीजन ही उपलब्ध हो पा रही है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण जन भागीदारी से ही संभव है। कार्यक्रम का संचालन विभाग सह-संयोजक गिर्राज गोयल ने किया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनसेवक उपस्थित रहे। इनमें बिंदु अग्रवाल, रेखा श्रीवास्तव, सनोज अग्रवाल, दुर्गाप्रसाद कुशवाह, ध्रुव यादव, गिर्राज गुप्ता, प्रो. रवि प्रकाश गुप्ता सहित ग्वालियर एवं लश्कर जिलों के अनेक पदाधिकारी शामिल थे।

मध्यप्रदेश पुलिस का सेफ क्लिक 2.0 अभियान

'गूगल पर दिखने वाली हर वेबसाइट भरोसेमंद नहीं, केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही करें उपयोग'

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी विशेष साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 के छठवें दिन की थीम स्वास्थ्य एवं जनसेवा संस्थान के अंतर्गत जिले के विभिन्न शासकीय एवं निजी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, स्वास्थ्य केन्द्रों तथा अन्य जनसेवा संस्थानों में व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अस्पतालों में उपचार हेतु आए मरीजों, उनके परिजनों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, मेडिकल विद्यार्थियों, स्वास्थ्य कर्मियों एवं आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर उन्हें वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अभियान के दौरान साइबर सुरक्षा संबंधी पोस्टर, बैनर एवं पम्पलेट के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण के साथ साइबर सुरक्षा का महत्व बतायाः सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत आज आरोग्यधाम हॉस्पिटल सिटी सेंटर में साइबर क्राइम ब्रांच के उनि. हरेन्द्र सिंह राजपूत एवं उनकी टीम ने अस्पताल के डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ को साइबर सुरक्षा के टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड, ऑनलाइन भुगतान, ई-मेल, एसएमएस एवं मोबाइल एप आधारित सेवाओं का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में मरीजों की व्यक्तिगत एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अत्यंत संवेदनशील होती है, इसलिए डिजिटल सेवाओं का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है। छोटी-सी लापरवाही से पहचान की चोरी, वित्तीय धोखाधड़ी तथा व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग हो सकता है। इसी प्रकार थाना कम्पू क्षेत्रातंर्गत जेएएच अस्पताल में भी आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर उन्हे विशेष रूप से बताया गया कि डॉक्टर अथवा अस्पताल का अपॉइंटमेंट लेने के लिए केवल संबंधित अस्पताल, चिकित्सा संस्थान अथवा डॉक्टर की आधिकारिक वेबसाइट या अधिकृत मोबाइल एप का ही उपयोग करें। कई बार गूगल सर्च में सबसे ऊपर दिखाई देने वाली वेबसाइट अथवा विज्ञापन फर्जी हो सकते हैं, जिनके माध्यम से साइबर अपराधी लोगों से अग्रिम भुगतान कराकर धोखाधड़ी करते हैं या उनकी व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। किसी भी अनजान लिंक, विज्ञापन अथवा संदिग्ध वेबसाइट पर अपनी जानकारी साझा करने से बचें।

जमीन विवाद पर पीट-पीटकर युवक को किया अधमरा, हाथ-पैर तोड़े

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जमीनी विवाद पर पांच बदमाशों ने एक युवक को घेरकर लाठी, सरिया और लुहांगी से बेरहमी से मारपीट की। मारपीट में युवक के हाथ और पैर बदमाशों ने तोड़ दिए। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र के गोकुलधाम के सामने घुरैया मार्केट के पास रविवार की शाम की है। युवक जब बेहोश हो गया तो आरोपी उसे छोड़कर भाग गए। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। शिव कॉलोनी पिंटो पार्क निवासी 63 वर्षीय लोटन सिंह गुर्जर ने शिकायत की है कि वह किसान हैं और बेटे मंदीप गुर्जर के साथ खेती करते हैं। रविवार को उनका बेटा मंदीप किसी काम से घुरैया मार्केट के पास गया था। काम खत्म कर वह वापस जाने के लिए निकला ही था कि अभी वह गोकुलधाम के पास पहुंचा था। इसी दौरान गांव के ही लाखन गुर्जर, बलवीर गुर्जर और धर्मेंद्र गुर्जर ने पुराने जमीन विवाद को लेकर उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर तीनों आरोपियों ने लोहांगी, लाठी, लात-घूंसों से हमला कर दिया।

गणित: ज्ञान, तर्क और सफलता की अद्भुत दुनिया

गणित मानव जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है, जिसे केवल संख्याओं और सूत्रों का खेल नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह सोचने, समझने और तर्क करने की एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। गणित को सभी विज्ञानों की जननी कहा जाता है क्योंकि विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, चिकित्सा और व्यापार जैसे सभी क्षेत्रों की नींव गणित पर ही आधारित होती है।

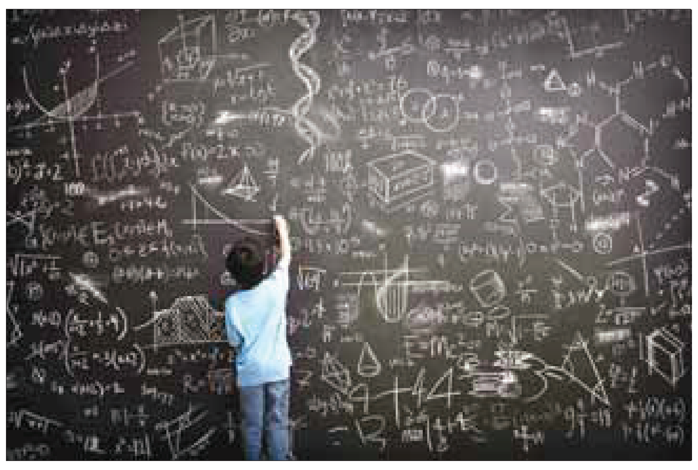

प्राचीन काल से ही मनुष्य ने गणना, मापन और व्यापारिक लेन-देन के लिए गणित का उपयोग करना शुरू किया था और समय के साथ यह विषय अत्यधिक विकसित होकर आज के आधुनिक युग की रीढ़ बन गया है। भारत के महान गणितज्ञों जैसे आर्यभट्ट, भास्कराचार्य और श्रीनिवास रामानुजन ने गणित के क्षेत्र में अद्भुत योगदान दिया, जिसने पूरी दुनिया को नई दिशा प्रदान की।

दैनिक जीवन में गणित का महत्व

गणित हमारे दैनिक जीवन में हर जगह उपयोग होता है। बाजार में खरीदारी, बैंक में लेन-देन, समय का प्रबंधन, घर का बजट बनाना और दूरी-समय की गणना जैसे सभी कार्यों में गणित आवश्यक है। इसके बिना जीवन की कई गतिविधियाँ कठिन हो जाती हैं।

गणित और तार्किक सोच

गणित व्यक्ति की तार्किक और विश्लेषणात्मक सोच को विकसित करता है। यह हमें समस्या को समझने, उसका सही समाधान खोजने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। गणित के अभ्यास से मस्तिष्क अधिक सक्रिय और तेज बनता है।

विज्ञान और तकनीक में गणित की भूमिका

विज्ञान और तकनीक की नींव गणित पर आधारित है। कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट, उपग्रह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स सभी में गणित का उपयोग होता है। बिना गणित के आधुनिक तकनीक की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

शिक्षा में गणित का महत्व

गणित विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति, एकाग्रता और समस्या-समाधान क्षमता को बढ़ाता है। यह अनुशासन, आत्मविश्वास और धैर्य जैसे गुणों का विकास करता है, जो जीवन में सफलता के लिए आवश्यक हैं।

रोजगार के अवसर

गणित का ज्ञान अनेक करियर अवसर प्रदान करता है। इंजीनियर, वैज्ञानिक, डेटा विश्लेषक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, शिक्षक और कंप्यूटर प्रोग्रामर जैसे क्षेत्रों में गणित की आवश्यकता होती है। आज के समय में डेटा साइंस और एआई में इसकी मांग बहुत अधिक है।

गणित का भय कैसे दूर करें

गणित का डर अभ्यास की कमी से उत्पन्न होता है। इसे दूर करने के लिए नियमित अभ्यास, मूलभूत सिद्धांतों की समझ, सरल प्रश्नों से शुरुआत और गलतियों से सीखना आवश्यक है। रटने के बजाय समझने पर ध्यान देना चाहिए।

हेमराज उपाध्याय
शिक्षक
हितकारिणी कन्या उमा शाला
बीटी, गढ़ा, जबलपुर

वैदिक गणित: मिथक या विज्ञान?

गणित को अक्सर कठिन विषय माना जाता है, लेकिन वैदिक गणित का नाम आते ही तेज़ गणना और आसान तरीकों की चर्चा होने लगती है। कुछ लोग इसे प्राचीन भारतीय ज्ञान की महान देन मानते हैं, जबकि कुछ इसे लेकर सवाल उठाते हैं। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न है, क्या वैदिक गणित वास्तव में वेदों से निकला विज्ञान है, या यह केवल एक लोकप्रिय मान्यता (मिथक) है?

क्या है वैदिक गणित ?

वैदिक गणित तेज़ और सरल गणना की एक पद्धति है, जिसे 20वीं शताब्दी में भारती कृष्णा तीर्थ ने लोकप्रिय बनाया। उन्होंने अपनी पुस्तक वेदिक मेथामेटिक्स में 16 सूत्र और 13 उपसूत्र बताए, जिनकी सहायता से जोड़, घटाव, गुणा, भाग और अन्य गणनाएँ तेजी से की जा सकती हैं।

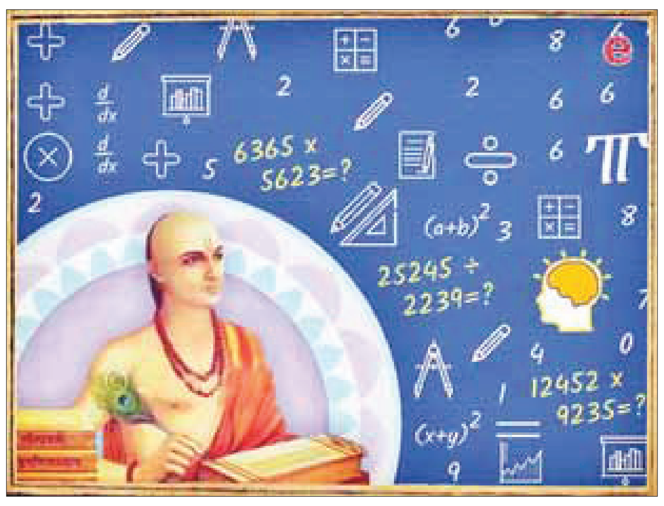

क्या यह वास्तव में वेदों में मिलता है?

यहीं से विवाद शुरू होता है। समर्थकों का कहना है कि ये सूत्र वैदिक परंपरा से प्रेरित हैं और भारतीय ज्ञान परंपरा का हिस्सा हैं। कई इतिहासकारों और गणितविदों का मत है कि अब तक उपलब्ध चारों वेदों के मूल ग्रंथों में ये 16 सूत्र स्पष्ट रूप से नहीं मिलते। इसलिए अधिकांश विद्वान मानते हैं कि आधुनिक वैदिक गणित का प्रत्यक्ष स्रोत वेद नहीं हैं, बल्कि यह 20वीं शताब्दी में व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत की गई गणना-पद्धति है। अर्थात, वैदिक नाम पर मतभेद है, लेकिन इसकी गणना तकनीकों की उपयोगिता पर नहीं।

क्या यह वैज्ञानिक है?

यदि वैज्ञानिक से आशय ऐसी विधियों से है जिन्हें समझा, परखा और दोहराया जा सके, तो वैदिक गणित की कई तकनीकें इस कसौटी पर खरी उतरती हैं। इसका अर्थ है कि हम मान सकते हैं कि वैदिक गणित का आधार वैज्ञानिक है।

वैदिक गणित के प्रमुख लाभ

- मानसिक गणना की गति बढ़ती है।
- कई प्रकार के गुणा और भाग आसान हो जाते हैं।
- प्रतियोगी परीक्षाओं में समय की बचत होती है।
- छात्रों में गणित के प्रति रुचि बढ़ती है।

क्या हर प्रश्न वैदिक गणित से हल हो सकता है?

हर व्यक्ति के मन में सवाल आता होगा कि क्या हर प्रश्न वैदिक गणित से हल हो सकता है? तो इसका जवाब है नहीं। बीजगणित, कलन, त्रिकोणमिति, सांख्यिकी और उच्च स्तर के गणित में पारंपरिक गणितीय सिद्धांतों और विधियों की आवश्यकता होती है। वैदिक गणित मुख्य रूप से अंकगणितीय गणनाओं में अधिक उपयोगी है। अंत में हम बोल सकते हैं कि वैदिक गणित को लेकर दो बातें अलग-अलग समझनी चाहिए। पहली, इसके वैदिक स्रोत को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं। दूसरी, इसकी गणना तकनीकों की उपयोगिता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। इसलिए इसे न तो बिना प्रमाण के प्राचीन वेदों का प्रत्यक्ष गणित कह देना उचित है और न ही इसकी उपयोगी विधियों को पूरी तरह नकारना।

मिलेनियम प्रॉब्लम्स: गणित की 7 सबसे कठिन पहेलियाँ, जिनका हल करने पर मिलते हैं करोड़ों रुपये!

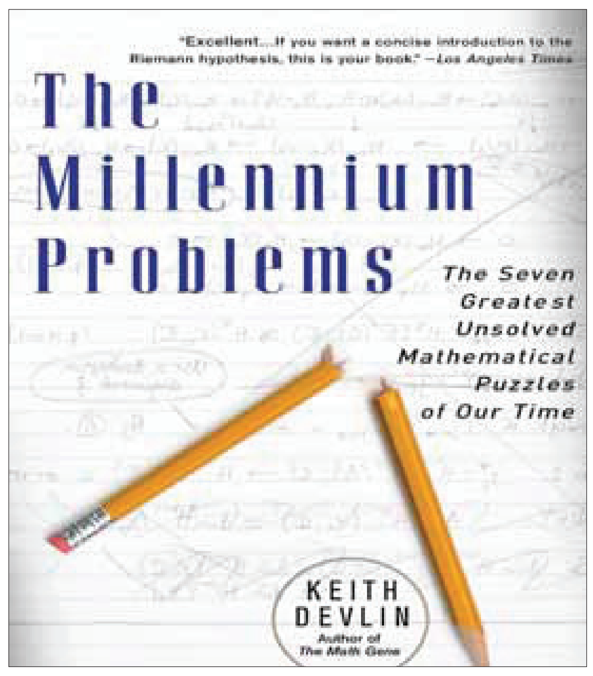

दुनिया में कुछ ऐसे गणितीय प्रश्न हैं जिन्हें हल करने की कोशिश में दशकों नहीं, बल्कि सदियाँ बीत गईं। इन्हें मिलेनियम प्रॉब्लम्स कहा जाता है। वर्ष 2000 में क्ले मैथेमेटिक्स इंस्टीट्यूट ने गणित के सात सबसे कठिन और महत्वपूर्ण प्रश्नों की सूची जारी की। इनका उद्देश्य गणित में नई खोजों को प्रोत्साहित करना था। इन सातों समस्याओं में से किसी एक का सही समाधान देने वाले व्यक्ति को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 8 से 9 करोड़ रुपये, विनिमय दर के अनुसार) का पुरस्कार दिया जाता है। मिलेनियम प्रॉब्लम्स केवल कठिन गणितीय प्रश्न नहीं हैं, बल्कि मानव ज्ञान की सीमाओं को चुनौती देने वाले रहस्य हैं। इन्हें हल करना केवल एक पुरस्कार जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि विज्ञान और गणित की दिशा बदल देने वाली उपलब्धि हो सकती है। शायद भविष्य में कोई युवा गणितज्ञ इन अनसुलझे रहस्यों से पर्दा उठाए और इतिहास रच दे।

मिलेनियम प्रॉब्लम्स क्या हैं?

ये ऐसे सात गणितीय प्रश्न हैं, जिनका समाधान आज तक दुनिया के महानतम गणितज्ञ भी पूरी तरह नहीं खोज पाए हैं। ये केवल गणित तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग और क्रिप्टोग्राफी जैसे क्षेत्रों से भी जुड़े हैं।

सात मिलेनियम प्रॉब्लम्स

1 पी बनाम एनपी प्रॉब्लम्स

यह कंप्यूटर विज्ञान का सबसे प्रसिद्ध प्रश्न है। इसका मूल सवाल है, क्या जिन समस्याओं का उत्तर जल्दी जाँचा जा सकता है, उन्हें उतनी ही जल्दी हल भी किया जा सकता है?

2. रिमान परिकल्पना

यह अभाज्य संख्याओं यानि प्राइम नंबर्स के वितरण से जुड़ी समस्या है। यदि इसका समाधान मिल जाए तो संख्या सिद्धांत यानि नंबर थ्योरी में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है।

3. यांग, मिल्स और मास गैप

यह कण भौतिकी यानि पार्टिकल फिजिक्स से जुड़ा प्रश्न है और ब्रह्मांड के मूलभूत कणों को समझने में महत्वपूर्ण माना जाता है।

4. नावयर, स्टोक्स और स्मूदनेस

यह द्रव और गैसों के प्रवाह से संबंधित समीकरणों को समझने की चुनौती है। मौसम की भविष्यवाणी, विमान निर्माण और समुद्री विज्ञान में इसका बड़ा महत्व है।

5. बर्च और स्विनर्टन डायर परिकल्पना

यह एलिप्टिक वक्रों से जुड़ी समस्या है, जिसका उपयोग आधुनिक क्रिप्टोग्राफी में भी होता है।

6. हॉज परिकल्पना

यह ज्यामिति और बीजगणित के गहरे संबंधों को समझने वाली समस्या है।

7. पॉइनकारे परिकल्पना

यह सात समस्याओं में से एकमात्र समस्या है जिसका समाधान हो चुका है। इसे रूसी गणितज्ञ ग्रिगोरी पेरेमन ने 2002 में सिद्ध किया। उन्हें पुरस्कार और प्रतिष्ठित सम्मान दिए गए, लेकिन उन्होंने 10 लाख डॉलर का पुरस्कार और अन्य प्रमुख सम्मान स्वीकार नहीं किए।

ये समस्याएँ इतनी महत्वपूर्ण क्यों हैं?

- ये आधुनिक गणित की सबसे बड़ी चुनौतियाँ मानी जाती हैं।
- इनके समाधान से विज्ञान और तकनीक के कई क्षेत्रों में नई खोजें संभव हो सकती हैं।
- कंप्यूटर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मौसम पूर्वानुमान, भौतिकी और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे क्षेत्रों पर इनका गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

भास्कराचार्य: महान भारतीय गणितज्ञ

जिन्होंने अपने समय से सदियों आगे की सोच दिखाई

जब भारतीय गणित की महान विभूतियों का नाम लिया जाता है, तो भास्कराचार्य का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। 12वीं शताब्दी के इस महान गणितज्ञ और खगोलशास्त्री ने ऐसे सिद्धांत दिए, जिन्होंने गणित और खगोल विज्ञान को नई दिशा दी। उनकी रचनाएँ आज भी भारतीय वैज्ञानिक परंपरा की अमूल्य धरोहर मानी जाती हैं। भास्कराचार्य का जन्म लगभग 1114 ई. में माना जाता है। वे गणित के साथ-साथ खगोल विज्ञान के भी प्रकांड विद्वान थे। उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति सिद्धांत शिरोमणि है, जिसे भारतीय गणित का एक उत्कृष्ट ग्रंथ माना जाता है।

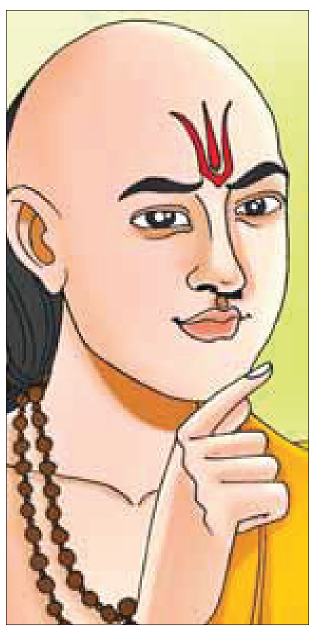

गणित में प्रमुख योगदान

1. लीलावती की रचना

सिद्धांत शिरोमणि का पहला भाग लीलावती है। इसमें जोड़, घटाव, गुणा, भाग, भिन्न, अनुपात, क्षेत्रफल, घनफल और अनेक गणितीय समस्याओं को सरल और रोचक शैली में समझाया गया है। आज भी यह गणित के इतिहास की सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों में गिनी जाती है।

2. बीजगणित का विकास

भास्कराचार्य ने बीजगणित के अनेक कठिन प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत किया। उन्होंने रैखिक और द्विघात समीकरणों के हल तथा अनिश्चित समीकरणों पर महत्वपूर्ण कार्य किया।

3. चक्रवाल विधि

उन्होंने बड़ी संख्याओं से जुड़े कुछ जटिल अनिश्चित समीकरणों को हल करने के लिए चक्रवाल विधि विकसित की। इसे मध्यकालीन भारत की सबसे उन्नत गणितीय उपलब्धियों में गिना जाता है।

4. कलन की प्रारंभिक अवधारणाएँ

भास्कराचार्य ने परिवर्तन की गति और तात्कालिक परिवर्तन जैसे विचारों पर चर्चा की। कई इतिहासकार मानते हैं कि उनके कार्यों में कलन से मिलती-जुलती प्रारंभिक अवधारणाओं के संकेत मिलते हैं, हालांकि आधुनिक कलन का औपचारिक विकास बाद में यूरोप में हुआ।

5. शून्य और अनंत पर विचार

उन्होंने शून्य (0) और अनंत से संबंधित गणितीय विचारों पर भी चर्चा की और इनके गुणों को समझाने का प्रयास किया।

भास्कराचार्य की प्रमुख रचनाएँ

- लीलावती
- बीजगणित
- ग्रहगणित
- गोलाध्याय

ये चारों मिलकर सिद्धांत शिरोमणि के भाग हैं।

भास्कराचार्य केवल एक महान गणितज्ञ नहीं, बल्कि दूरदर्शी वैज्ञानिक भी थे। उन्होंने भारतीय गणित को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया और यह सिद्ध किया कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। उनकी रचनाएँ आज भी छात्रों, शोधकर्ताओं और गणित प्रेमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

क्या गणित की भी कोई भाषा होती है?

जब हम भाषा की बात करते हैं तो हमारे मन में हिंदी, अंग्रेज़ी या संस्कृत जैसी भाषाएँ आती हैं, लेकिन वास्तव में गणित की भी अपनी एक भाषा होती है। यह भाषा शब्दों की नहीं, बल्कि संख्याओं, चिन्हों, सूत्रों और तर्क की होती है। जोड़, घटाव, गुणा, भाग और बराबर जैसे प्रतीक दुनिया के लगभग हर देश में एक ही अर्थ रखते हैं। यही कारण है कि गणित को सार्वभौमिक भाषा कहा जाता है।
गणित की भाषा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे समझने के लिए किसी विशेष बोली या देश की आवश्यकता नहीं होती। यदि भारत का कोई छात्र 2 धन 3 बराबर 5 लिखेगा तो जापान, अमेरिका या किसी भी अन्य देश का छात्र उसका अर्थ आसानी से समझ सकता है। यही वजह है कि दुनिया भर के वैज्ञानिक, इंजीनियर और शोधकर्ता गणित की मदद से अपने विचार साझा करते हैं। आज के समय में गणित की भाषा हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देती है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, इंटरनेट, बैंकिंग, मौसम का पूर्वानुमान, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे आधुनिक क्षेत्रों की नींव गणित पर ही टिकी है। कंप्यूटर भी अंततः गणितीय नियमों के आधार पर ही काम करते हैं। गणित की भाषा सीखना केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए नहीं, बल्कि सही ढंग से सोचने और समस्याओं का समाधान खोजने के लिए भी आवश्यक है।

क्या अच्छी फोटो का राज सही अनुपात में छिपा है? जानिए फोटोग्राफी का गणित

जब हम किसी खूबसूरत तस्वीर को देखते हैं तो अक्सर उसकी रोशनी, रंग या कैमरे की तारीफ करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि एक अच्छी फोटो का सबसे बड़ा राज़ उसका सही अनुपात यानि रेसियो और संतुलित कंपोज़िशन भी हो सकता है? यही कारण है कि पेशेवर फोटोग्राफर तस्वीर लेते समय केवल कैमरे पर नहीं, बल्कि गणित पर भी ध्यान देते हैं।

अनुपात का क्या महत्व है?

फोटोग्राफी में अनुपात का अर्थ है, तस्वीर के विभिन्न भागों का संतुलित आकार और उनका सही स्थान। जब किसी फोटो में विषय, पृष्ठभूमि और खाली स्थान या स्पेस संतुलित होते हैं, तो तस्वीर अधिक आकर्षक लगती है।

रूल ऑफथर्ड्स का गणित

फोटोग्राफी का सबसे लोकप्रिय नियम रूल ऑफथर्ड्स है। इसमें तस्वीर को दो क्षैतिज और दो ऊर्ध्वाधर रेखाओं से नौ बराबर भागों में बाँटा जाता है। यदि मुख्य विषय इन रेखाओं या उनके मिलने वाले बिंदुओं के पास रखा जाए, तो तस्वीर अधिक प्रभावशाली दिखाई देती है।

आस्पेक्ट रेशियो क्या है?

मोबाइल और कैमरे में अलग-अलग आकार की तस्वीरें मिलती हैं, जैसे, सोशल मीडिया पोस्ट के लिए एक अनुपात एक, अधिकांश स्मार्टफोन कैमरों का सामान्य अनुपात चार अनुपात तीन होता है। वाइड स्क्रीन फोटो और वीडियो के लिए 16 अनुपात 9 का आस्पेक्ट रेशियो होना चाहिए। हर अनुपात का अपना उपयोग है और यह तय करता है कि तस्वीर कितनी चौड़ी या लंबी दिखाई देगी।

मोबाइल फोटोग्राफी में गणित

आज अधिकांश स्मार्टफोन कैमरों में ग्रिड का विकल्प होता है। यह ग्रिड आपको रूल ऑफथर्ड्स के अनुसार विषय को सही स्थान पर रखने में मदद करता है। इसलिए मोबाइल से भी बेहतरीन तस्वीरें ली जा सकती हैं।

क्या केवल अनुपात ही काफी है?

नहीं। एक शानदार फोटो के लिए कई बातें महत्वपूर्ण होती हैं जैसे सही रोशनी, स्पष्ट फोकस,उचित एंगल, संतुलित बैकग्राउंड, सही टाइमिंग और कम्पोजिशन यानि उचित अनुपात। इन सभी का मेल ही तस्वीर को प्रभावशाली बनाता है। इसलिए अगली बार जब आप फोटो लें, तो कैमरे के साथ-साथ गणित पर भी थोड़ा ध्यान दें।

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
1 जुलाई | 02:30 बजे (भारतीय समय)
फ्रांस बनाम स्वीडन
न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी स्टेडियम, अमेरिका

2 ◂ फीफा रैंक ▸ 36

कुल आमने-सामने
फ्रांस जीता: 12 | स्वीडन जीता: 6 | ड्रॉ: 5

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
1 जुलाई | प्रातः 6:30 बजे (भारतीय समय)
मेक्सिको बनाम इक्वाडोर
मेक्सिको सिटी स्टेडियम, मेक्सिको

9 ◂ फीफा रैंक ▸ 24

कुल आमने-सामने
मेक्सिको जीता: 17 | इक्वाडोर जीता: 4 | ड्रॉ: 7

इंजरी टाइम में यूस्टाक्वियो का गोल

कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार अंतिम-16 में बनाई जगह

एजेंसी, लॉस एंजिल्स

कनाडा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना 4 जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉनस्टन ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी। उन्हें सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

कोच ने प्लेयर्स को नेशनल हीरो बताया

मैच के बाद कनाडा के हेड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि वे देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

डेविस की वापसी से बढ़ी टीम की ताकत

स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रॉमिस डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाक्वियो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया।

द अफ्रीका ने किया कड़ा मुकाबला

साउथ अफ्रीका ने पूरे मैच में मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और गोल होने तक कनाडा को लगातार रोके रखा। गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स ने पांच शानदार बचाव किए, लेकिन अंतिम क्षणों में टीम को हार से नहीं बचा सके।

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
1 जुलाई | रात्रि 9:30 बजे (भारतीय समय)
इंग्लैंड बनाम डीआर कांगो
अटलांटा स्टेडियम, अमेरिका

4 ◂ फीफा रैंक ▸ 41

कुल आमने-सामने
एक दूसरे के खिलाफ पहले कभी नहीं खेले

इंजरी टाइम वॉली गोल ने कनाडा को रचा इतिहास

राउंड ऑफ 32 में कनाडा के कप्तान स्टीफन यूस्टाकियो ने इंजरी टाइम में शानदार हाफ वॉली गोल दागकर अपनी टीम को दक्षिण अफ्रीका पर 1-0 की ऐतिहासिक जीत दिला दी। मुकाबला अतिरिक्त समय की ओर बढ़ता दिख रहा था। 92वें मिनट में जैकब शैफेलबर्ग के क्रॉस को दक्षिण अफ्रीका की रक्षा पंक्ति ने हेडर से बाहर निकाला, लेकिन गेंद पेनल्टी बॉक्स के बाहर मौजूद यूस्टाकियो के पास पहुंची। उन्होंने पहले सीने से गेंद को नियंत्रित किया और फिर दाएं पैर से जोरदार हाफ वॉली लगाते हुए गेंद को निचले कोने में पहुंचा दिया। यही गोल मैच का निर्णायक क्षण साबित हुआ।

टीम हालात के हिसाब से ढल नहीं पाई

जैसे सबका डेब्यू हुआ, वैभव का भी होगा: कोच

एजेंसी, बेलफास्ट

भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए पूरी तरह तैयार बताया है। हालांकि, कोच ने साफ तौर पर कहा कि टीम में जगह पाने के लिए वैभव को भी उसी चयन प्रकिया से गुजरना होगा। जिससे अन्य खिलाड़ी गुजरे हैं। 45 साल के साउथ अफ्रीकी कोच ने आयरलैंड से हार पर कहा कि टीम खुद को हालात के हिसाब से ढाल नहीं पाई। रविवार को टीम इंडिया को आयरलैंड के खिलाफ एक रन की करीबी हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ आयरलैंड ने भारत को 2-0 से क्लीन स्वीप भी कर दिया था।

संजू सैमसन का भी किया बचाव

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में वैभव को मौका नहीं मिलने पर उठे सवालों के जवाब में टेन डोशेट ने कहा कि संजू सैमसन ने कुछ महीने पहले भारत को टी20 वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि अच्छे आईपीएल सीजन के बाद भी खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देना और उन पर भरोसा बनाए रखना जरूरी है।

वैभव को लेकर टीम मैनेजमेंट एक्साइटेड

टेन डोशेट ने कहा कि टीम प्रबंधन वैभव को जल्द खेलते देखने के लिए उत्साहित है, लेकिन उनके लिए भी वही मानदंड लागू होंगे जो अन्य खिलाड़ियों पर लागू होते हैं। हम सभी वैभव को खेलते देखना चाहते हैं, लेकिन उसे भी वही प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उसकी प्रतिभा पर किसी को कोई शक नहीं है।

इंग्लैंड दौरे पर मिल सकता है मौका

भारत अब 1 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा। यदि इस दौरे पर वैभव को डेब्यू का मौका मिलता है तो वह 16 साल की उम्र में पदार्पण करने वाले सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारत के सबसे कम उम्र के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन जाएंगे।

2 टेस्ट की सीरीज में 1-0 की बढ़त, रोच के 300 विकेट पूरे, सभी विकेट विंडीज के पेसर्स ने झटके

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पारी और 217 रन से हराया

एजेंसी, एंटीगुआ

वेस्टइंडीज ने एंटीगुआ टेस्ट में श्रीलंका को पारी और 217 रन के बड़े अंतर से हराया। उसने रोस्टन चेज की कप्तानी में पहला टेस्ट जीता है। इस जीत के साथ विंडीज ने 2 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा मुकाबला 3 जुलाई से खेला जाएगा। विवि रिचर्ड्स स्टेडियम में सोमवार को श्रीलंका दूसरी पारी में 101 रन पर सिमट गई। टीम ने चौथे दिन 15/1 से आगे खेलना शुरू किया था और पूरी टीम महज 32 ओवर में पवेलियन लौट गई। टीम के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर सके।

6 श्रीलंकाई बैटर्स डबल डिजिट में नहीं पहुंचे

श्रीलंका की ओर से दिनेश चांडीमल ने संघर्ष किया। उन्होंने 60 गेंदों पर 43 रन बनाए। वे श्रीलंका के टॉप स्कोरर रहे। उनके अलावा, कोई भी बल्लेबाज 15 रन के आंकड़े को पार नहीं कर सका। कई बल्लेबाज अंदर आती गेंदों पर एलबीडब्ल्यू हुए, जबकि कुछ बाहरी किनारा लेकर आउट हुए। कमिंदु मेंडिस और कुसल मेंडिस दोनों गेंद छोड़ने के बाद बोल्ड हुए।

सभी विकेट विंडीज के पेसर्स ने झटके

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों ने श्रीलंकाई पारी के सभी 10 विकेट झटके। केमार रोच ने दिन के पहले ही ओवर में निशान मदुष्का को एलबीडब्ल्यू किया। तीन गेंद बाद जेडन सील्स ने नाइटवॉचमैन कसुन रजिता को स्लिप में कैच कराया। फिर शमार जोसेफ ने कमिंदु मेंडिस को बोल्ड किया और पहली पारी के शतकवीर धनंजय डी सिल्वा को एलबीडब्ल्यू आउट कर श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ा दीं।

रोच विंडीज के एलीट बॉलर्स के क्लब में शामिल

तेज गेंदबाज केमार रोच ने 4 विकेट झटके। उन्होंने टेस्ट करियर में 300 विकेट पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ वे वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों के एलीट क्लब में शामिल हो गए हैं। वे कर्टली एम्ब्रोज के बाद 300 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले वेस्टइंडीज गेंदबाज बने। उनसे ज्यादा विकेट सिर्फ कोर्टनी वॉल्श, कर्टली एम्ब्रोस और मैल्कम मार्शल के नाम हैं। कुल मिलाकर वे यह माइल स्टोन हासिल करने वाले वेस्टइंडीज के 5वें गेंदबाज बने हैं।

रोच ने फर्नांडो को बोल्ड कर 300वां टेस्ट विकेट लिया

बारिश के कारण कुछ देर खेल रुका, लेकिन दोबारा शुरुआत होते ही वेस्टइंडीज ने श्रीलंका की बची उम्मीदें खत्म कर दीं। लंच के बाद रोच ने दिनेश चांडीमल और मिलान रत्नायके को आउट किया। इसके बाद उन्होंने असिथा फर्नांडो को बोल्ड कर टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए। 300वां विकेट लेने पर उन्हें यादगार के तौर पर 300 नंबर की वेस्टइंडीज टेस्ट जर्सी दी गई।

भारत समेत 4 विमेंस टीमें ओलिंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई किया

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन और साउथ अफ्रीका की विमेंस टीमों ने लॉस एंजिल्स ओलिंपिक 2028 के क्रिकेट इवेंट के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया है। आईसीसी और आईओसी ने क्वालिफिकेशन नियमों को मंजूरी दे दी है। मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी।

पोमोना में खेले जाएंगे मैच

सभी मुकाबले लॉस एंजिल्स से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोमोना के फेयरग्राउंड्स मैदान पर खेले जाएंगे। ओलिंपिक में क्रिकेट मैच 12 से 29 जुलाई 2028 तक होंगे। विमेंस कैटेगरी की बाकी दो टीमों का फैसला 2027 में होने वाले ओलिंपिक क्वालिफायर टूर्नामेंट से होगा।

2027 में होगा आईसीसी ओलिंपिक क्वालिफायर

मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में छठी और अंतिम टीम का फैसला 2027 में आईसीसी ओलिंपिक क्वालिफायर से होगा। इसमें दोनों कैटेगरी की 8-8 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें 31 दिसंबर 2026 तक सीधे क्वालिफाई नहीं कर पाने वाली आईसीसी रैंकिंग की शीर्ष टीमें शामिल होंगी। टूर्नामेंट की तारीख और मेजबान देश का ऐलान आईसीसी बाद में करेगी।

एक बार हुआ है ओलिंपिक में क्रिकेट

साल 1900 के पेरिस ओलिंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया था। इसके बाद क्रिकेट ओलिंपिक्स में नहीं खेला गया। पेरिस ओलिंपिक के क्रिकेट इवेंट में सिर्फ इंग्लैंड और फ्रांस ने हिस्सा लिया था। इसमें इंग्लैंड ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर जीता था।

मेंस टीमें रैंकिंग के आधार पर

मेंस में 31 दिसंबर 2026 तक की आईसीसी टी-20 इंटरनेशनल रैंकिंग के आधार पर अफ्रीका, एशिया, यूरोप, अमेरिका और ओशिनिया की टॉप रैंकिंग टीमों को सीधे ओलिंपिक का टिकट मिलेगा। यानी पांच महाद्वीपों से एक-एक टीम सीधे क्वालिफाई करेगी। छठी और अंतिम टीम का फैसला 2027 के ओलिंपिक क्वालिफायर टूर्नामेंट से होगा, जिसमें सभी महाद्वीपों की टीमें हिस्सा लेंगी।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद रहे उपविजेता

यूएस ओपन के फाइनल में हारे किदांबी श्रीकांत

एजेंसी, कैलिफोर्निया (अमेरिका)

भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत का यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। फाइनल में उन्हें चीनी ताइपे के सू ली-यांग के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में 15-21, 21-16, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। 33 वर्षीय श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम अपने नाम किया और मुकाबले को निर्णायक तीसरे गेम तक पहुंचाया। हालांकि अंतिम गेम में सू ली-यांग की तेज रफ्तार और आक्रामक खेल के सामने भारतीय खिलाड़ी टिक नहीं सके। मुकाबला एक घंटे से अधिक समय तक चला। यह 2026 सीजन में श्रीकांत का दूसरा फाइनल था। इससे पहले भी उन्होंने इस वर्ष एक बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी। भले ही वह खिताब नहीं जीत सके, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन ने यह संकेत दिया कि वह फिर से अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। फाइनल मुकाबले में एक दिलचस्प घटनाक्रम भी देखने को मिला, जब निर्णायक गेम के दौरान श्रीकांत को ब्रेक के समय टी-शर्ट बदलने की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद उनकी लय प्रभावित हुई और सू ली-यांग ने लगातार अंक जुटाकर मैच अपने नाम कर लिया। आगामी राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों से पहले उनकी फॉर्म भारतीय टीम के लिए उत्साहजनक मानी जा रही है।

स्टोक्स के आखिरी मैच में इंग्लैंड 212 रन पर सिमटा, 14 साल बाद घर में सीरीज हारी

न्यूजीलैंड ने 27 साल बाद इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीती, 160 रन से हराया

एजेंसी, नॉटिंघम

बेन स्टोक्स अपने आखिरी इंटरनेशनल मैच को जीत के साथ यादगार बनाना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। 373 रन का पीछा कर रही इंग्लैंड की दूसरी पारी 212 रन पर सिमट गई। इसी के साथ कीवी टीम ने 27 साल बाद इंग्लैंड में कोई सीरीज जीती। टीम ने इससे पहले 1999 यह कारनामा किया था। यह न्यूजीलैंड की इंग्लैंड में 20 टेस्ट सीरीज में सिर्फ चौथी जीत है। खास बात यह रही कि टीम ने पहला टेस्ट हारने के बाद लगातार दो मुकाबले जीतकर सीरीज अपने नाम की। ऐसा उसने इंग्लैंड में दूसरी बार किया है। दूसरी ओर इंग्लैंड को 2012 के बाद पहली बार घर में तीन या उससे ज्यादा टेस्ट की सीरीज गंवानी पड़ी।

स्टोक्स की विदाई जीत के साथ नहीं हुई

मैच का सबसे बड़ा पल बेन स्टोक्स का संन्यास था। 35 साल के ऑलराउंडर ने चौथे दिन संन्यास की घोषणा की थी। टारगेट का पीछा करते हुए स्टोक्स ने पनिंग की और सिर्फ 20 गेंदों में 30 रन बनाकर तेज शुरुआत दी, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके।

स्टोक्स का सपना अधूरा रह गया

बेन स्टोक्स ने चौथे दिन अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर सभी को चौंका दिया था। उन्होंने कहा कि चार साल कप्तानी करने के बाद अब वह मानसिक और शारीरिक रूप से थक चुके हैं।

पांचवें दिन दो रनआउट ने बदला मुकाबला

इंग्लैंड ने अंतिम दिन 103/4 से खेलना शुरू किया, लेकिन सुबह के पहले घंटे में ही मैच हाथ से निकल गया। पहले नाथन स्मिथ ने एमिलियो गे (10) को आउट किया। इसके बाद हेनरी निकोल्स के शानदार डायरेक्ट हिट पर जो रूट (18) रन आउट हो गए। इसके बाद न्यूजीलैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा। मिचेल सैंटनर ने गस एटकिंसन को एलबीडब्लयू किया, जबकि दूसरे डयरेक्ट हिट पर जोश टंग रन आउट हुए। आखिर में सैंटनर ने जेमी स्मिथ (60) को आउट कर इंग्लैंड की पारी 212 रन पर समेट दी।

चोटों के बावजूद न्यूजीलैंड ने जीत हासिल की

पूरे मैच के दौरान न्यूजीलैंड चोटों से जूझता रहा। मैट हेनरी पहले ही बाहर थे। ब्लेयर टिकनर चोटिल हुए तो उनकी जगह कन्कशन सब्स्टीट्यूट जैक फाउल्क्स मैदान पर उतरे। अंतिम दिन विल ओ'रूर्के भी हैमसट्रिंग की वजह से मैदान छोड़ गए।

इंग्लैंड का 14 साल बाद घर में सीरीज हारना

इंग्लैंड को 2012 के बाद पहली बार अपने घर में तीन या उससे ज्यादा टेस्ट मैचों की सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने पिछले 9 टेस्ट में से 7 गंवा दिए हैं। बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम के 'बैजबॉल' में यह टीम का सबसे खराब दौर माना जा रहा है।

डेरिल मिचेल की पारी बनी जीत की नींव

दूसरी पारी में डेरिल मिचेल ने नाबाद 100 रन बनाए। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की कई गेंदें उनके शरीर पर लगीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

एम्मा राडुकानू चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर

लंदन। विंबलडन 2026 शुरू होने से ठीक पहले ब्रिटेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एम्मा राडुकानू को बड़ा झटका लगा है। 2021 यूएस ओपन चैंपियन चोट के कारण इस प्रतिष्ठित ग्रैंड स्लैम से हट गई हैं। मेडिकल स्कैन में उनके दाहिने पैर के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का सपना टूटने से राडुकानू बेहद भावुक नजर आईं और उन्होंने इसे अपने करियर के सबसे कठिन पलों में से एक बताया।

भावुक बयान में छलका दर्द

टूर्नामेंट से हटने के बाद राडुकानू ने कहा कि उन्होंने कोर्ट पर उतरने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन आखिरकार मेडिकल सलाह का सम्मान करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मैंने विंबलडन खेलने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन अंतिम स्कैन में पता चला कि जिस दर्द को मैं संभाल रही थी।

आधुनिक रैकेट्स, पावर हिटिंग और बेसलाइन टेक्निक ने बदल दिया खेल का व्याकरण

विम्बलडन की 'घास' पर 'हार्ड कोर्ट' का रोमांच

एजेंसी, लंदन

लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब की हरी घास पर सफेद कपड़ों में टेनिस खेलना हमेशा से परंपरा, नजाकत और एक खास शैली का प्रतीक रहा है। एक दौर था जब विम्बलडन वही खिलाड़ी जीतता था, जिसे विशुद्ध रूप से 'ग्रास-स्पेशलिस्ट' माना जाता था। पीट सम्प्रास, बोरिस बेकर, स्टीफन एडबर्ग, रोजर फेडरर जैसे दिग्गजों का राज उनकी घातक 'सर्व-एंड-वॉली' (सर्विस करके तुरंत नेट पर आना) टेक्निक पर टिका था। लेकिन नए दौर के खिलाड़ियों ने घास पर खेलने के इस पारंपरिक तरीके को इतिहास बना दिया है। अब खिलाड़ी घास की पिचों को भी 'हार्ड-कोर्ट' की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। खिलाड़ियों ने अपने उपकरणों, फुटवर्क और खेल शैली में ऐसा बदलाव किया है कि टेनिस का पूरा व्याकरण ही बदल गया है।

नए उपकरणों से मिली पावर और स्पिन

पहले खिलाड़ी भारी रैकेट और प्राकृतिक (नेचुरल गट) स्ट्रिंग्स का उपयोग करते थे। इस कारण कोर्ट के पीछे से भारी स्पिन के साथ गेंद को हिट करना बहुत मुश्किल होता था। अब खिलाड़ी हल्के कार्बन-फाइबर रैकेट और पॉलिएस्टर स्ट्रिंग्स का इस्तेमाल करते हैं।

विंबलडन में अमेरिकी चुनौती : अमृतराज

विंबलडन में अमेरिका के लंबे इंतजार को खत्म करने के लिए टेलर फ्रिट्ज और बेन शेल्टन मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। पूर्व भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज का मानना है कि अगर दोनों खिलाड़ी पूरी तरह फिट रहते हैं, तो ग्रास कोर्ट पर किसी भी खिलाड़ी को चुनौती दे सकते हैं। हालांकि, उनके अनुसार टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले ही उनके आगे के सफर की दिशा तय करेंगे। विंबलडन की शुरुआत आज से हो चुकी है।

केप वर्डे के कप्तान पर रेप के आरोप

ब्राजील। केप वर्डे फुटबॉल टीम के कप्तान रेयान मेंडेस पर रेप के आरोप लगे हैं। ब्राजीलियन मीडिया ग्लोबो के अनुसार, न्यूजीलैंड में मार्च 2026 की फीफा सीरीज के दौरान टीम के साथ ट्रांसलेटर के तौर पर काम करने वाली एक महिला ने उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होगा या नहीं। मामले की जांच जारी है। अभी तक उन्हें किसी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब केप वर्डे पहली बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में पहुंचा है। वह राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाला दुनिया का सबसे छोटा देश बना है। टीम को 4 जुलाई को अर्जेंटीना से मैच खेलना है। मेंडेस ग्रुप स्टेज के तीनों मैच खेल चुके हैं।

शूटआउट में भारत ने इंग्लैंड को हराया, प्रो लीग का शानदार अंत

एजेंसी, लंदन

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2026 के अपने आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड को रोमांचक शूटआउट में 3-2 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। निर्धारित 60 मिनट तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला 0-0 से बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके बाद शूटआउट में भारत ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बोनस अंक अपने नाम किए। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने आगामी हॉकी विश्व कप से पहले अपना अभियान आत्मविश्वास से खत्म किया।

गोलरहित रहा बेहद रोमांचक मुकाबला

लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत इंग्लैंड ने आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती मिनटों में मेजबान टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित शशिकुमार ने लगातार शानदार बचाव कर टीम को शुरुआती झटके से बचा लिया। पहले क्वार्टर के आखिर में अभिषेक ने भारत के लिए मौका बनाया, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर ने बेहतरीन बचाव करते हुए स्कोर 0-0 ही रहने दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी नहीं टूटा गतिरोध

दूसरे क्वार्टर में इंग्लैंड लगातार दबाव बनाता रहा। बंडुराक और सैम वार्ड ने कई बार भारतीय डिफेंस को चुनौती दी, लेकिन भारत की मजबूत रक्षापंक्ति हर बार दीवार बनकर खड़ी रही। भारत ने भी जरमनप्रीत सिंह के जरिए गोल करने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर ने शानदार सेव कर मैच को बराबरी पर बनाए रखा।

एफटीएल के दायरे में विकसित की जा रही अवैध कालोनी पर चला बुलडोजर

हुजूर क्षेत्र से 18 करोड़ रु. की जमीन कराई मुक्त

भोपाल (नगर संवाददाता)

हुजूर क्षेत्र में फिर से अवैध कॉलोनियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही हे। सोमवार को केरवा डैम के कैचमेंट एरिया में अवैध रूप से विकसित की गई कॉलोनियों पर प्रशासन का बुलडोजर चला। इस दौरान कुल 18 करोड़ रुपए की जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई।

एसडीएम विनोद सोनकिया के नेतृत्व में तहसीलदार अतुल शर्मा की मौजूदगी में ननि प्रशासन के अतिक्रमण मले के सहयोग से फतेहपुर डोबरा गांव स्थित खसरा नंबर 414 एवं खसरा नंबर 415 रकबा 0.405 हेक्टेयर भूमि जो कि अर्सलान ताहिर उर्फ अब्दुल ताहिर के नाम पर भूमि स्वामी स्वत्तव पर दर्ज है। इसके डैम के एफटीएल से 33 मीटर के दायरे में अवैध निर्माण को हटाया, यहां से चार करोड़ की जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई।

प्रशासन का बुलडोजर महुआ खेड़ा गांव में विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों पर चला। खसरा नंबर 19/2 रकबा 1.510 हे. एवं खसरा नम्बर 41/19/1/2 रकबा 0.506 इस प्रकार कुल रकबा 2.016 हेक्टेयर भूमि जो कि मीत पाटीदार पुत्र अजय पाटीदार एवं खुशीलाल पाटीदार पुत्र मूलचंद पाटीदार के नाम भूमि स्वामी स्वत्त्व पर दर्ज है। इस पर मीत पाटीदार द्वारा अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था। यहां पर बाउंड्रीवॉल सहित अन्य निर्माण तोड़कर 12 करोड़ रुपये की जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई।

आंदोलन कर सौंपा ज्ञापन

सीमित विभागीय परीक्षा एवं कार्यवाहक पदोन्नतियां नहीं होने नाराज आबकारी विभाग के मुख्य आरक्षक एवं आरक्षकों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। बिट्टन मार्केट स्थित विभाग कमिश्नर कार्यालय में यह लोकसेवक एकजुट हुए।राज्य कर्मचारी संघ के आबकारी प्रकोष्ठ के नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया गया।

प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रमुख बालमुकुन्द्र गौड़ ने बताया कि संघ अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव एवं महामंत्री जितेन्द्र सिंह के निर्देशन में कमिश्नर को ज्ञापन दिया। उन्होंने भरोसा दिया कि प्रदर्शन में प्रकोष्ठ पदाधिकारी सतेज कोपरगांवकर, जफर अलीखान सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से मुख्य आरक्षक, आरक्षक एवं लिपिक कर्मचारी भी शामिल होने आए थे।

नाबालिग छात्रा से प्रिंसिपल ने की ऑफिस में छेड़छाड़

भोपाल (नगर संवाददाता)

रात 12 बजे फोन पर मैसेज कर विज्ञापन में फोटो देने का झांसा देकर स्कूल बुलाया, गिरफ्तार,जेल भेजा

छोला मंदिर इलाके में एक शर्मनाक मामला सामने आया है, जहां निजी स्कूल के प्रिंसिपल ने चौथी कक्षा में टॉप करने वाली 13 वर्षीय छात्रा के साथ अपने ऑफिस में छेड़छाड़ की। पीड़िता की शिकायत पर प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने चौथी कक्षा में टॉप किया था। इसके बाद प्रिंसिपल वीरेंद्र त्रिपाठी ने विज्ञापन में फोटो देने के बहाने छात्रा को रात करीब 12 बजे मैसेज किया। प्रिंसिपल ने उसे अगले दिन सुबह जल्दी स्कूल के ऑफिस में बुलाया। शनिवार को जब छात्रा अपनी बहन के साथ फोटो देने जब वह प्रिंसिपल के चैंबर में पहुंची, तो वीरेंद्र त्रिपाठी ने उसके साथ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर अश्लील हरकतें कर छेड़छाड़ शुरू कर दी। घबराई छात्रा वहां से बचकर घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। परिजनों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर आरोपी प्रिंसिपल के खिलाफ पॉक्सो और छेड़छाड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस मुख्यालय परिवार द्वारा 11 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी गई भावभीनी विदाई

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह जून में सेवानिवृत्त 11 कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने मंगलवार को भावभीनी विदाई दी। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में विशेष पुलिस महानिदेशक श्री आदर्श कटियार, श्री पंकज श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सोलोमन यश कुमार मिंज, पुलिस महानिरीक्षक श्री हरिनारायणचारी मिश्र एवं अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे।

[परेशानी] कैग की रिपोर्ट के बाद जिम्मेदारों ने नहीं सुधारे वाहन, मरीज हो रहे परेशान

40 जिलों में 380 से अधिक एम्बुलेंस खुद बीमार

■ ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति सबसे अधिक खराब

भोपाल (नगर संवाददाता)

एक ओर सरकार बड़े अस्पताल, संजीवनी क्लीनिक और स्वास्थ्य केंद्रों के भवन बनाने पर ध्यान दे रही, वही प्रदेश में मरीजों को त्वरित जिंदगी देने वाला वाहन एम्बुलेंस रखरखाव के कारण खटारा होती जा रही है। कैग की रिपोर्ट में प्रदेश के 40 जिलों में भी लगभग 400 एम्बुलेंस खराब होने का खुलासा होने के बाद भी जिम्मेदारों की नींद नहीं खुली है। हाल ही में सीहोर में एम्बुलेंस का ब्रेक फेल होने, सागर में एम्बुलेंस ना आने से हाथ ठेले में पत्नी को अस्पताल ले जाने जैसी घटनाएं सामने आने के बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ है।

स्वास्थ्य विभाग, आपातकालीन सेवाओं के लिए पूरे प्रदेश में लगभग 2,000 से 2,200 एम्बुलेंस का बेड़ा संचालित करता है। एम्बुलेंस का संचालन करने जिकिट्जा हेल्थकेयर लिमिटेड के साथ हुए समझौते में शहरी इलाकों में 15 से 20 मिनट और ग्रामीण इलाकों में 20 से 30 मिनट का औसत समय तय था, लेकिन कैग रिपोर्ट में एम्बुलेंस पहुंचने का समय तय समय से ज़्यादा मिली। वही खराब एम्बुलेंस वाहनों में 108 और जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस की संख्या अधिक है। कैग की ऑडिट में यह भी खुलासा हुआ है कि कई जिलों में संचालित 108 एम्बुलेंस 4 से 5 लाख किलोमीटर तक चल चुकी हैं, जिसके कारण आए दिन तकनीकी समस्याएं आ रही हैं। बता दें कि प्रदेश में कुल 108 एम्बुलेंस के अलावा 396 संजीवनी और 1050 जननी एक्सप्रेस सेवाएं नागरिकों को मुहैया कराई गई है।

40 जिलों में एम्बुलेंस की कमी

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कैग की रिपोर्ट के मुताबिक निर्धारित मानकों के मुकाबले 40 जिलों में 96 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट और 289 बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की कमी है।

2,000 एम्बुलेंस के संधारण के लिए विभाग ने 900 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इसके बाद ग्रामीण इलाकों में कई एम्बुलेंस खराब होने से अस्पतालों के गैरेज में अभी भी खड़े हैं।

सीएम हेल्पलाइन पर 200 से अधिक शिकायतें

बताया जाता है कि बीते एक साल में एम्बुलेंस खराब होने की 200 से अधिक शिकायतें सीएम हेल्पलाइन पर भी आ चुकी है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों की नींद अभी तक नहीं खुली है। एम्बुलेंस खराब होने से थानों की पुलिस भी परेशान हो रही है। पुलिस ने कई बार विभाग को पत्र लिखें, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

ये आए मामले

- दमोह के तेंदूखेड़ा सरकारी अस्पताल और बंडा सागर में आठ माह से एम्बुलेंस खराब पड़ा है। सागर में एक गरीब को एम्बुलेंस नहीं मिली, तो उसने अपनी पत्नी को हाथगाड़ी पर लिटाकर जिला अस्पताल ले गया, जिससे रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।
- छिंदवाड़ा जिले के ग्रामीण इलाकों में एम्बुलेंस खराब होने की शिकायतें आई है। खराब रास्तों के कारण पुल न होने से मरीजों को समय पर एम्बुलेंस नहीं मिला है।
- छतरपुर में एम्बुलेंस खराब होने के अलावा, 108 एम्बुलेंस के दुरुपयोग जैसे मरीज के बजाय निजी कार्यों में उपयोग के मामले भी उजागर हुए हैं।
- बुरहानपुर के ग्रामीण अंचलों में तैनात 108 एम्बुलेंस की हालत इतनी खराब है कि हाल ही में एक प्रसूता को ले जाते समय वाहन का स्टीयरिंग फेल हो गया था।
- पन्ना जिले में उपलब्ध एम्बुलेंस में से कई वाहन खराब स्थिति में हैं, जिससे घिसे हुए टायरों और बिना उपकरणों वाले वाहनों के सहारे इमरजेंसी सेवाएं चल रही हैं।
- सीहोर में एक मरीज को लेने पहुंची एम्बुलेंस स्टार्ट ही नहीं हुई। इसके बाद मौके पर मौजूद राहगीरों को उसे धक्का लगाना पड़ा।
- सतना में एक गंभीर मरीज को अस्पताल के गेट पर लाया गया, लेकिन एम्बुलेंस का पिछला दरवाजा जाम होने के कारण समय पर इलाज न मिलने से मरीज की मौत हो गई।

इनका कहना है..

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में काफी सुधार आया है। अस्पतालों में व्यवस्थाओं से लेकर एम्बुलेंस तक को आई शिकायतों का भी त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिया है। हाल ही में समीक्षा बैठक में भी इस पर चर्चा की जा चुकी है।

- राजेंद्र शुक्ला, उप मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य विभाग मप्र शासन

गोविंदपुरा में 120 करोड़ से बनेगा सीवेज नेटवर्क : गौर

दो नए एलिवेटेड रोड का निर्माण भी प्रस्तावित

भोपाल (नगर संवाददाता)

अमृत मिशन-2 के तहत गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र में करीब 120 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सीवेज नेटवर्क तैयार किया जाएगा, जिससे निजी कॉलोनियों सहित कई आवासीय क्षेत्रों की वर्षों पुरानी सीवेज समस्या का समाधान होगा। इसके साथ ही मिसरोद से अयोध्या बायपास होते हुए एयरपोर्ट तक तथा बावड़ियाकला से दानिश नगर तक एलिवेटेड रोड का निर्माण भी प्रस्तावित है।

यह जानकारी पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने वार्ड-53 स्थित स्टर्लिंग ग्लोब ग्रैंड परिसर के पहुंच मार्ग लोकार्पण एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए दी।

नर्मदापुरम रोड की सर्विस रोड का भी होगा उन्नयन

कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद प्रताप वारे ने वार्ड में कराए गए तथा प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि नर्मदापुरम रोड की दोनों ओर की सर्विस रोड की मरम्मत और अन्य अधोसंरचनात्मक कार्य

ओपन जिम, शेड और पार्क विकास की घोषणा

गौर ने स्टर्लिंग ग्लोब ग्रैंड परिसर में ओपन जिम, डुप्लेक्स परिसर में शेड निर्माण तथा पार्क विकास कार्य कराने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों के विश्वास और स्नेह के कारण यह क्षेत्र भाजपा का अभेद गढ़ बना हुआ है और पिछले विधानसभा चुनाव में उन्हें प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी जीत मिली। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में भयमुक्त वातावरण और सतत विकास कार्यों के कारण यहां अन्य क्षेत्रों की तुलना में बेहतर अधोसंरचना विकसित हुई है। यह सब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सहयोग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेज़ी से आगे बढ़ते विकास के कारण संभव हो सका है।

ये भी रहे मौजूद: इस अवसर पर एमआईसी सदस्य जितेंद्र शुक्ला, पार्षद शीला पाटीदार, पूर्व पार्षद रामबाबू पाटीदार, जिला मंत्री धर्मेंद्र परिहार, बीजेपी जिला मंत्री धर्मेंद्र परिहार, सचिन वर्मा, महामंत्री राम दुबे, मंडल अध्यक्ष पटेल,सुरेश कर्नाटक,राजू श्रेष्ठ, संयोजक ओमप्रकाश, प्रज्ञा निरंजन, वार्ड 53 के पालक पीके जैन, मोहन पाटीदार, अनीता वर्मा,रेणु पाटिल,ममता चौहान, सपना मालवीय एवं आईटी संयोजक सन्नी अहिरवार भी

सीवेज लाइनों से कितनी दूर पानी की लाइनें,NGT को सौंपेंगे रिपोर्ट

पीबीसी ने निगम से मांगी जानकारी, इंदौर भागीरथपुरा हादसे के बाद से चल रही है सुनवाई

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी भोपाल में 24 लाख आबादी को किस तरह पानी सप्लाई किया जा रहा है और वॉटर सप्लाई नेटवर्क से सीवेज लाइनें कितनी दूर हैं? इसकी रिपोर्ट एनजीटी में दाखिल की जाएगी।

सोमवार को पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों ने निगम कमिश्नर संस्कृति जैन से इस संबंध में मुलाकात की। निगम ने प्रारंभिक रिपोर्ट पहले ही पीसीबी को भेज दी थी। अब हर इलाके की विस्तृत रिपोर्ट भेजेंगे। दरअसल इंदौर के भागीरथपुरा हादसे के बाद पूरे प्रदेश में वॉटर सप्लाई की जांच हुई। इधर राजधानी में इंदौर हादसे से सबक लेते हुए सभी ट्यूबवेल की सप्लाई बंद कर दी गई और सभी स्त्रोत की रोजाना सप्लाई से पहले सैंपलिंग हो रही है। भोपाल में अब सिर्फ नर्मदा नदी, कोलार डैम, बड़ा तालाब और कलियासोत डैम से ही पानी लेकर सरफेस वॉटर सप्लाई जारी है। वहीं इंदौर का मामला एनजीटी में है। जहां सभी निकाय अपने शहरों में हो रही वॉटर सप्लाई की पूरी जानकारी उपलब्ध करवा रहा है। सोमवार को पीसीबी के अफसरों ने निगमायुक्त जैन से मुलाकात कर भोपाल में वॉटर डिस्ट्रब्यूशन लाइनों और सीवेज नेटवर्किंग की दूरी की रिपोर्ट मांगी है। बताया जाता है कि जल्द ही यह रिपोर्ट एनजीटी को सौंपी जाएगी।

क्या होती है सरफेस सप्लाई

सरफेस वॉटर सप्लाई में एक तरह से सीधे बहती हुई नदी या तालाब से पानी लिया जाता है। जबकि इंदौर की घटना का मुख्य कारण ही ट्यूबवेल सप्लाई थी। जिसमें जमीन के अंदर का पानी घरों में सप्लाई किया जा रहा था। पुरानी लाइनों में सीवेज का पानी मिक्स हो गया और इतनी बड़ी घटना सामने आई। भोपाल में इस तरह की सप्लाई को पूरी तरह प्रतिबंध करते हुए नर्मदा नदी, कोलार डैम, बड़ा तालाब और केरवा डेम से पानी लिया जा रहा है।

2 लाख 72 हजार नल कनेक्शनों से सीधे सप्लाई: निगम के वॉटर वर्कस के मुताबिक शहर में लगभग 2 लाख 72 हजार 690 नल कनेक्शनों से सीधे पानी सप्लाई किया जा रहा है। वहीं कवर्ड कैम्पस कॉलोनियों में 1028 बल्क कनेक्शन से पानी दिया जा रहा है। इसके अलावा 1101 कमर्शियल कनेक्शन हैं। संस्थागत कनेक्शनों की संख्या 265 है।

फैक्ट फाइल

- 15 फिल्टर प्लांट पूरे शहर में 440 मिलियन लीटर पानी होता है सप्लाई.
- 173 ओवरहैड टैंक से पूरे शहर में डिस्ट्रब्यूट होता है पानी
- 110 सम्प टैंक हैं पूरे शहर में
- 3 हजार 885 किमी की बिछी हैं पाइप-लाइनें
- 244 नलकूप भी हैं
- 610 हैंडपंप अलग-अलग इलाकों में मौजूद
- 8 लैबों में होती है पानी की जांच
- 72 पानी के टैंकर से भी सप्लाई व्यवस्था
- 2 लाख 71 हजार घरों में हैं नल कनेक्शन
- 1022 बल्क कनेक्शन कवर्ड कॉलोनियों में मौजूद

अगस्त में ऑनलाइन शिक्षक पात्रता परीक्षा केंद्र निर्धारण में जुटा कर्मचारी चयन मंडल

बोर्ड का कहना है कि 50 जिलों में ही होगी परीक्षा, कलेक्टरों की होगी जम्मेदारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर तैयारियां अंतिम दौर में है। स्कूल शिक्षा विभाग ने जहां समर्थ पोर्टल से टीचरों की स्टडी शुरू करवा दी है वहीं परीक्षा एजेंसी कर्मचारी चयन मंडल ने भी एग्जाम को लेकर काम प्रारंभ कर दिया है।

कर्मचारी चयन मंडल के अनुसार अगस्त में परीक्षा पूरी तरह संभावित है। गणना की जा रही है कि कितने शिक्षक परीक्षा के योग्य हैं। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग से ब्यौरा मांगा है। शिक्षकों की संख्या के अनुपात में ही परीक्षा केंद्र तय होंगे। प्रत्येक जिला स्तर पर परीक्षा होगी, ताकि शिक्षकों को एक से दूसरे जिलों में भागना ना पड़े। किस जिले में कितने शिक्षक परीक्षा में बैठेंगे, इसके लिए विभाग से शिक्षक संख्या अनुपात रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है। जिला कलेक्टरों की निगरानी में परीक्षाएं कराई जाएगी।

नए जिलों में नहीं बनाए जाएंगे सेंटर

प्रदेश में 55 जिले हो चुके हैं लेकिन 50 जिलों में ही परीक्षा होगी। पीईबी का कहना है कि जो नए जिले बने हैं, अभी वहां पर सेंटर नहीं बनाए जाएंगे। पूर्व से 50 जिलों में स्थाई ढांचा तैयार है, उन्हीं पर परीक्षा होगी। नए बने जिलों में जो शिक्षक होंगे, उन्हें नजदीकी जिला में परीक्षा देने के लिए जाना पड़ेगा।

समर्थ पोर्टल से कराई जा रही शिक्षकों की तैयारी

डिपार्टमेंट का कहना है कि शिक्षकों की तैयारी भी शुरू करवा दी गई है। जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि समर्थ पोर्टल पर विषय बार जो वीडियो डाले गये हैं, उसी के अनुसार जिलों में शिक्षकों की तैयारी करवाई जाए। शिक्षक अपने मोबाइल पर समर्थ पोर्टल से स्टडी के वीडियो अपलोड कर सकते हैं और आसानी से पढ़ाई कर सकते हैं। विभाग में अधिकारियों का कहना है कि सुगम और सरल अवधारणाओं में ही यह वीडियो बनाए गए हैं।

करीब एक लाख शिक्षक परीक्षा में बैठेंगे: प्रदेश में स्कूल शिक्षा और ट्रायबल को मिलाकर करीब एक लाख शिक्षक ऐसे हैं जो परीक्षा में बैठेंगे। अधिकारियों के अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग में 70 हजार टीचर परीक्षण में परीक्षा देने की योग्य पाए गए हैं। जबकि जनजाति कार्य विभाग के अधीन 35 हजार शिक्षक हैं जो टेट परीक्षा में बैठेंगे। शिक्षक विभाग का कहना है कि परीक्षा तिथि घोषित होते ही इनके ऑनलाइन आवेदन कराए जाएंगे।

नगर निगम में बड़ा बदलाव : यांत्रिकी शाखा के 11 अधिकारियों के बदले प्रभार

परिवर्तन : अब एक ही अधिकारी संभालेगा पूरे क्षेत्र की कमान

■ विधानसभावार नोडल अधिकारी व्यवस्था लागू, विभागों का किया गया एकीकरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में नगर निगम की कार्यप्रणाली अब नए ढंग से संचालित होगी। भोपाल नगर निगम (बीएमसी) ने पहली बार विधानसभावार प्रशासनिक मॉडल लागू करते हुए स्वास्थ्य, स्वच्छता, राजस्व और संपत्ति कर जैसे प्रमुख विभागों का एकीकरण कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो इन सभी विभागों के कार्यों की निगरानी और जवाबदेही संभालेगा। निगम का दावा है कि इससे फैसले तेजी से होंगे और नागरिकों की समस्याओं का समाधान एक ही स्तर पर हो सकेगा। हालांकि, इस बदलाव के साथ यह सवाल भी उठने लगा है कि आम नागरिक अपनी शिकायत लेकर आखिर किस अधिकारी के पास जाएं। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के आदेश के बाद अतिरिक्त आयुक्त से लेकर उपयंत्री स्तर तक अधिकारियों के प्रभार में व्यापक बदलाव किए गए हैं। इंजीनियरिंग शाखा में 11 इंजीनियरों का स्थानांतरण किया गया है, जबकि कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अतिरिक्त आयुक्त अभिषेक सिंह को मुख्यमंत्री अधोसंरचना, एसडीआरएफ, सड़क मरम्मत, अतिक्रमण और हुजूर विधानसभा क्षेत्र का नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं उपायुक्त भुवन गुप्ता को भवन अनुज्ञा, कॉलोनी सेल, अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन के साथ गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र का दायित्व सौंपा गया है।

सहायक आयुक्त विजय तिवारी और प्रियंका सिंह को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में स्वच्छता, स्वास्थ्य, राजस्व और संपत्ति कर की संयुक्त जिम्मेदारी दी गई है। इंजीनियरिंग शाखा में अधीक्षण अभियंता संतोष गुप्ता को परियोजना विंग, झील संरक्षण, स्वच्छ भारत मिशन और उद्यान शाखा का प्रभार सौंपा गया है, जबकि हिरेंद्र सिंह कुशवाहा स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों में सहयोग करेंगे।

दावा बेहतर समन्वय का, लेकिन चुनौती भी कम नहीं- नगर निगम का मानना है कि विभागों के एकीकरण से जवाबदेही तय होगी और अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक ही अधिकारी क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं पर निर्णय ले सकेगा, जिससे कामकाज में तेजी आएगी।

असल परीक्षा जनता के अनुभव से होगी

नई व्यवस्था का उद्देश्य प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाना है, लेकिन एक अधिकारी पर कई विभागों की जिम्मेदारी होने से कार्यभार बढ़ने की आशंका भी है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इससे सफाई, स्वास्थ्य और राजस्व सेवाओं में वास्तविक सुधार आता है या फिर नागरिकों के लिए शिकायत निवारण की प्रक्रिया पहले से अधिक जटिल हो जाती है। आने वाले समय में इस मॉडल की सफलता का आकलन जनता की संतुष्टि और सेवाओं की गुणवत्ता के आधार पर होगा।

बैरसिया के बाद अब ईंटखेड़ी में मंदिर को निशाना बनाया

आधा किलो चांदी का मुकुट ले गए चोर

■ चौबीस घंटे के भीतर देहात क्षेत्र में दूसरी वारदात

भोपाल (नगर संवाददाता)

बैरसिया के बाद अब ईटखेड़ी इलाके में स्थित मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया। यहां से भी हनुमान प्रतिमा के चांदी के मुकुट को चोर ले गए हैं। वारदात को अंजाम देने के लिए मंदिर का ताला तोड़ा गया था। पुलिस के अनुसार घटना ग्राम बिशनखेड़ी में शनिवार को हुई थी। जिसकी रिपोर्ट थाने में रविवार शाम लगभग साढ़े पांच बजे दर्ज कराई गई है। मंदिर के पुजारी जमुना प्रसाद शर्मा ने इस संबंध में मामला दर्ज कराया है। चोरी की वारदात दिन में हुई थी। इससे पहले बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम सेमरा कला में दुर्गा और हनुमान प्रतिमा के मुकुट चोरी गए थे।

पुलिस अधीक्षक देहात पंकज पांडे ने बताया कि दोनों वारदातों को अलग-अलग व्यक्ति ने अंजाम दिया हैं। घटना की अवधि भी अलग-अलग है। इसलिए एक गिरोह पर शंका नहीं हैं। दोनों मामलों में आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
मुख्य कार्यकारी संपादक : **श्रीमती रश्मि अग्रवाल**, सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)